दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 04 : अंक : 96 | ग्वालियर, बुधवार 26 मई 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

एक नजर...

ब्लैक, वाइट के बाद येलो फंगस पर डॉक्टरों की अलग-अलग राय

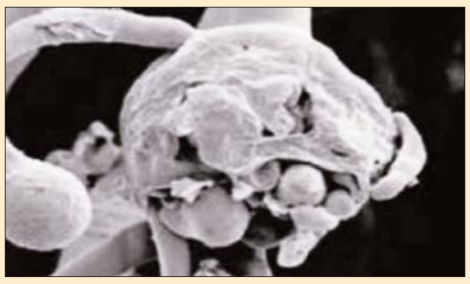

नई दिल्ली। देश में कोरोना के बाद अब ब्लैक फंगस के मामले लगातार बढ़ रहे हैं. कई राज्यों ने इसे महामारी घोषित कर दिया है. बिहार, हरियाणा, गाजियाबाद में अब वाइट और यलो फंगस के मामले सामने आए हैं. इसी बीच डॉक्टरों की इन सभी फंगस पर अलग-अलग राय देखने को मिल रही हैं. हाल ही में गाजियाबाद में एक मरीज मे येलो फंगस का मामला सामने आया. येलो फंगस (म्यूकर स्पेक्टिक्स) कहे जाने वाले इस फंगस पर कुछ डॉक्टर का कहना है कि इसपर कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी. हालांकि, कुछ डॉक्टर ने साफ किया कि मेडिकल लिटरेचर में येलो फंगस नाम का कोई शब्द ही नहीं हैं. राजस्थान जोधपुर एम्स अस्पताल के डॉ अमित गोयल ने बताया कि, येलो फंगस का एक मामला सामने आया है और इसका कोई ऑथेंटिक सोर्स नहीं है. जिधर ये रिपोर्ट हुआ है, इसको और देखना होगा. इसलिए इसपर कुछ भी कहना जल्दीबाजी होगी. दिल्ली एम्स अस्पताल के डॉकटर नीरज निश्छल ने बताया कि, येलो फंगस के नाम से कुछ साफ बयान नहीं होता कि किस बारे में बात हो रही है.

गीतांजलि चेयर के वकील ने कहा, राहुल चोकसी के लापता होने की खबर सही

नयी दिल्ली। 13,500 करोड़ रुपये से अधिक के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी मामले में भारत में वांछित गीतांजलि समूह के अध्यक्ष मेहुल चोकसी के लापता होने की रिपोर्ट के कुछ घंटों बाद, उनके वकील विजय अग्रवाल ने मीडिया से बातचीत करते हुए इस बात की पुष्टि की है कि चोकसी की लापता होने वाली रिपोर्ट सही हैं. अग्रवाल का खुलासा तब सामने अया जब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने मंगलवार को कहा कि वह आगे की कार्रवाई के लिए रिपोटरें की पुष्टि कर रहा है. सीबीआई के एक सूत्र ने कहा कि सीबीआई इंटरपोल सहित औपचारिक और अनौपचारिक चैनलों के माध्यम से आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए रिपोटरें को सत्यापित करने की कोशिश कर रही है.

आरोग्य सेतु से पता चलेगा कोरोना वैक्सीनेशन का स्टेटस

नई दिल्ली। बीते साल कोरोना संक्रमितों का डेटा रखने, कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग आदि के मकसद से तैयार किए गए आरोग्य सेतु ऐप पर अब टीकाकरण का स्टेटस भी पता चल सकेगा। अब तक इस ऐप का इस्तेमाल कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग, सरकार की ओर से जारी की गई एडवाइजरी के लिए ही किया जा रहा था। इस ऐप का संचालन एनआईसी द्वारा किया जाता है। अब वैक्सीनेशन का स्टेटस भी इसके जरिए पता चल सकेगा। आपके आसपास कितने लोगों को कोरोना का टीका लगा है, यह भी आपको मालूम चलेगा। इसके अलावा टीका लगवाने वाले यूजर को डबल ब्लू टिक मिलेगा, जिसके जरिए वह बता सकेगा कि उसे टीका लग गया है। आरोग्य सेतु के ट्विटर अकाउंट पर मंगलवार को बताया गया, अब आपका वैक्सीनेशन स्टेटस आरोग्य सेतु ऐप पर भी अपडेट किया जा सकेगा। टीका लगवाएं। डबल ब्लू टिक पाएं और ब्लू शील्ड हासिल करें। आरोग्य सेतु ऐप ब्लूटूथ टेक्नोलॉजी और कॉन्टेक्ट नंबर का इस्तेमाल कर डेटा जुटाता है। कोरोना टेस्टिंग के सभी रिजल्ट लैबोरेट्रीज के द्वारा अपलोड किए जाते हैं और फिर आईसीएमआर उनका विश्लेषण करता है। एक बार जब कोई व्यक्ति कोरोना पॉजिटिव पाया जाता है तो आईसीएमआर यूजर का कॉन्टेक्ट नंबर आरोग्य सेतु के साथ शेयर करता है।

टूलकिट विवाद में कांग्रेस ने ट्विटर को लिखी चिट्ठ

11 केंद्रीय मंत्रियों के ट्वीट को मैन्युप्युलेटिव टैग दिए जाने की मांग

दिल्ली। कोरोना वायरस को लेकर जारी कथित टूलकिट मामले में लगातार विवाद बढ़ता ही जा रहा है. इस मामले में पहले माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर को नोटिस भेजने के बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम ने उसके दफ्तर पर पहुंचकर कल छानबीन की थी. दिल्ली पुलिस की एक टीम सोमवार को ट्विटर के दिल्ली और हरियाणा स्थित दफ्तर पर पहुंची. दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम ने हरियाणा के गुरुग्राम और दिल्ली के लाडो सराय क्षेत्र में स्थित ट्विटर दफ्तर पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की है. टूलकिट मामले को लेकर ट्विटर पर शेयर किए गए पोस्ट्स के नीचे मैनिपुलेटेड मीडिया लिखने को लेकर पुलिस ने कार्रवाई की और ट्विटर को नोटिस भेजकर जवाब मांगा था.

अब इसके बाद कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्विटर को चिट्ठी लिखकर बीजेपी नेता संबित पात्रा की ही तरह कथित टूलकिट को शेयर करने वाले 11 केंद्रीय मंत्रियों के ट्वीट पर भी कार्रवाई करने की मांग की है. कथित टूलकिट के मामले में कांग्रेस ने ट्विटर से 11 केंद्रीय मंत्रियों के ट्वीट को भी मैनुपुलेटिव

मीडिया का टैग देने की मांग की है. जिन केंद्रीय मंत्रियों के ट्वीट की शिकायत की गई है, उनमें गिरिराज सिंह, पीयूष गोयल, स्मृति ईरानी, रविशंकर प्रसाद, प्रह्लाद जोशी, धर्मेंद्र प्रधान, रमेश पोखरियाल निशंक, थावरचंद गहलोत, डॉ. हर्षवर्धन, मुख्तार अब्बास नकवी, गजेंद्र सिंह शेखावत शामिल हैं. इन्होंने भी वह कथित टूलकिट ट्वीट किया था, जिस पर बवाल मचा हुआ है. दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने ट्विटर इंडिया के प्रमुख को नोटिस भेजा था, लेकिन ट्विटर इंडिया के प्रमुख का जवाब दिल्ली पुलिस को अस्पष्ट लगा था. दिल्ली पुलिस की इस हरकत को लेकर कांग्रेस ने इस मामले में केंद्र सरकार पर निशाना साधा है. कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि डरपोक भाजपा सरकार रेड राज से फ़र्ज़ी टूलकिट का सच नहीं छिपा सकती. वहीं शिवसेना ने भी तंज कसा है. शिवसेना की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि राजनीतिक पार्टी के दफ्तर की जगह ट्विटर दफ्तर को चुना गया. वहीं अखिलेश यादव ने पुलिस की इस कार्रवाई को अलोकतांत्रिक और निंदनीय कृत्य बताया है.

कोरोना आंकड़ों पर छिड़ा सियासी संग्राम, कार्यकर्ता सड़क पर आए

भोपाल। मध्य प्रदेश में कोरोना संक्रमण से हुई मौतों के आंकड़ों को लेकर सियासी संग्राम छिड़ गया है. सरकार और भाजपा सीधे तौर पर कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष कमल नाथ पर हमलावर है तो दूसरी ओर कांग्रेस भी दो-दो हाथ करने को तैयार है. कमल नाथ के खिलाफ भोपाल में मामला दर्ज हो गया है, तो वहीं सोमवार को पूरे प्रदेश में भाजपा ने रिपोर्ट दर्ज कराने आवेदन दिए और पुतला दहन किया. दूसरी ओर, कांग्रेस ने भी मरीजों को स्वास्थ्य सुविधाएं न देने और लापरवाही के कारण हुई मौतों का आंकड़ा छुपाने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी सहित अन्य पर प्रकरण दर्ज करने की मांग की है. राज्य में कोरोना महामारी में मरीजों को इलाज न मिलने, नकली

इंजेक्शन का उपयोग किए जाने, ऑक्सीजन की किल्लत जैसे कई मामले सामने आए है. राज्य सरकार ने चिकित्सकीय सामग्री व ऑक्सीजन सहित उपकरण की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई की है. वहीं कोरोना से हुई मौतों को लेकर भ्रम बना हुआ है. सरकार की ओर से बताए जा रहे मौते के आंकड़ों पर सवाल उठ रहे हैं. पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने तो दावा किया है कि कोरोना से सिर्फ मार्च व अप्रैल में ही एक लाख से ज्यादा मौतें हुई हैं. इस दावे को सरकार नकार रही है. इसके बाद से ही दोनों दलों में संग्राम छिड़ा हुआ है. कमल नाथ के खिलाफ भाजपा की शिकायत पर रविवार को मामला भी दर्ज किया जा चुका है.

जमानत का आधार कोरोना वायरस नहीं हो सकता : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। पूरे देश में कोरोना वायरस का संक्रमण फैला हुआ है. इसकी चपेट में आकर कई लोगों ने अपनी जान गवाई है. रोजाना करीब तीन लाख कोरोना सक्रमण के केस सामने आ रहे हैं. इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम बयान दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी कैदी को इस आशंका के आधार पर कि जेल में रहने पर कोरोना हो सकता है, किसी को ज़मानत नहीं दी जा सकती. कोर्ट को हर केस में उसकी मेरिट पर विचार करना होगा. दरअसल, यूपी सरकार ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के इसी आशंका के आधार पर एक आरोपी को अग्रिम जमानत देने के फैसले को चुनौती दी थी. यूपी सरकार का कहना था कि जिसे ज़मानत मिली, वह एक ठग है. 130 मामले उसके खिलाफ पेंडिंग है. बहरहाल कोर्ट ने यूपी सरकार की अर्जी पर नोटिस जारी किया. जुलाई के पहले हफ्ते के लिए मामला सुनवाई के लिए लगाया. मीनाक्षी लेखी को एमिकस क्युरी नियुक्त किया है.

कोरोना से मौत के डर से नहीं मिल सकती अग्रिम जमानत-उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से दायर की गई याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश दिया है. शीर्ष अदालत ने कहा कि अग्रिम जमानत पर फैसला केस की मेरिट के आधार पर किया जाना चाहिए. कोरोना संक्रम्ण होने से मौत के डर के चलते ऐसा नहीं किया जा सकता. सुप्रीम कोर्ट में यूपी सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि हाई कोर्ट ने ठगी के आरोपी को अग्रिम जमानत दी है और ये जमानत कोविड के कारण दी गई है.

कैलाश विजयवर्गीय ने कोरोना की दूसरी लहर को चीन का वायरल वार बताया

भोपाल। कोरोना वायरस से हो रहे संक्रमण की दूसरी लहर ने भारत में कोहराम मचा रखा है. हर रोज लाखों लोग संक्रमित हो रहे हैं और इस कारण हजारों मौतें भी रही हैं. इस बीच भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय ने अपने एक दावे से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर माहौल गर्मा दिया है. उनका दावा है कि भारत में कोरोना की दूसरी लहर वास्तव में चीन की तरफ से भारत पर किया गया वायरल वार है. उन्होंने यह भी दावा किया है कि इसकी आड़ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता को खत्म करने की साजिश रची गई है. इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधा है.

सिर्फ भारत में ही क्यों आई दूसरी लहर

अगर विजयवर्गीय के दावे की गंभीरता परखी जाए तो वह सोशल मीडिया से प्रेरित लगती है. विगत काफी दिनों से सोशल मीडिया में कहा जा रहा है कि की दूसरी लहर साजिश का हिस्सा है. इस कड़ी में विजयवर्गीय ने दावा करते हुए कहा है कि कोरोना की यह लहर आई है या भेजी गई है, यह सोचने वाली बात है. हमें लगता है कि यह चीन का वायरल वार है, क्योंकि सिर्फ भारत में ही दूसरी लहर आई है. पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, भूटान जैसे पड़ोसी देशों में नहीं आई.

मध्य प्रदेश में लॉकडाउन से मिलेगी निजात

1 से शुरू होगी कोरोना अनलॉक की प्रक्रिया

भोपाल। मध्य प्रदेश में कोरोना वायरस के नए मामलों में पिछले कुछ दिनों से कमी आ रही है। इस बीच, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को राज्य को अनलॉक करने की प्रक्रिया के बारे में ऐलान किया। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया एक जून से शुरू होने जा रही है। इस हिसाब से मध्य प्रदेश में जल्द ही लोगों को लंबे समय ले लागू लॉकडाउन से निजात मिल जाएगी।

कोरोना की वजह से मध्य प्रदेश के लगभग सभी जिलों में 31 मई तक कोरोना कर्फ्यू लागू है, जिसमें लॉकडाउन जैसी पाबंदियां लगाई गई हैं। पिछले कई बार यह एक-एक हफ्ते करके बढ़ाया जा चुका है। राज्य सरकार का मानना है कि कोरोना कर्फ्यू की वजह से

मध्य प्रदेश में कोरोना की संक्रमण रोकने में मदद मिली है। कुछ समय में ही पॉजिटिविटी रेट और रोजाना के मामले तेजी से कम हुए हैं। कैबिनेट मीटिंग में बात करते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, मध्य प्रदेश कोविड -19 पर नियंत्रण पाने के कगार पर है। साथियों, यह आपकी मेहनत के साथ-साथ जनता के प्रयासों, संकट प्रबंधन समिति और प्रशासन के कारण संभव हो पाया है। चौहान ने कहा कि मध्य प्रदेश ने मंगलवार को केवल 2424 नए कोविड -19 मामले दर्ज किए और 7,373 लोग बीमारी से उबर गए। राज्य की रिकवरी दर 92.68त्न हो गई है और 15 जिलों में 10 से कम मामले सामने आ रहे हैं।

टीकाकरण को बढ़ावा देने खेतों तक पहुंच रहे युवा समूह

मध्य प्रदेश। कोरोना संक्रमण की रफ्तार को रोकने का बड़ा हथियार वैक्सीनेशन माना जा रहा है, इसके लिए जरुरी है कि आमजन में जागृति आए और वे वैक्सीन लगवाने तैयार हों. आदिवासी अंचलों में लोगों में तरह-तरह की भ्रांतियां हैं, इसे दूर करने के लिए धार जिले में यूथ फॉर चिल्ड्रन द्वारा गांव-गांव और खेत-खेत तक पहुंचकर अभियान चलाया जा रहा है. धार जिले का नालछा क्षेत्र आदिवासी बाहुल्य है और यहां के लोगों में कोरोना को लेकर डर है, वे वैक्सीनेशन के लिए आसानी से तैयार नहीं हो रहे हैं. यहां लोगों में तरह-तरह की भ्रांतियां हैं, वे यह समझ ही नहीं पा रहे हैं कि कोरोना को वैक्सीन से कैसे रोका जा सकता है. आदिवासी वैक्सीनेशन के लिए तैयार हों, इसके लिए यहां के गांव तक यूथ फॉर

चिल्ड्रन के स्वयं सेवक पहुंच रहे हैं. यूथ फॉर चिल्ड्रन के स्वयंसेवक गांव गांव जाकर लोगों का ऑक्सीजन लेवल चेक कर रहे हैं, लोगों को मास्क वितरण कर रहे हैं साथ ही लोगों को हाथ धोने की जानकारी दे रहे हैं. यह टोलियां लोगों को टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं और इसका असर भी दिख रहा है, लोग टीकाकरण सेंटर पर जाकर वैक्सीनेशन करवा रहे हैं.

दिल्ली में बीते 24 घंटे में 1568 नए केस

4251 लोग हुए रिकवर 156 लोगों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना की दूसरी लहर का कहर अब खत्म हो गया है। नए मामलों में कमी का दौर लगातार जारी है। दिल्ली में मंगलवार को जहां संक्रमितों की संख्या घटकर 1500 पर आ गई, वहीं अब संक्रमण दर भी घटकर 2 फीसदी पर पहुंच गई है। राहत की बात यह भी है कि आज मृतकों की संख्या 156 रही। स्वास्थ्य विभाग की ओर से मंगलवार को जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार, बीते 24 घंटे में जहां कोरोना के 1568 नए मरीज मिले हैं, वहीं 156 मरीजों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। अब संक्रमण दर घटकर 2.14 प्रतिशत पर आ गई है, जो सोमवार को 2.52 थी। बुलेटिन के अनुसार, आज 4,251 मरीज पूरी तरह ठीक होकर कोरोना मुक्त हो गए, जबकि सोमवार को यह संख्या 4,375 थी। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि दिल्ली में अब तक संक्रमितों की कुल संख्या 14,19,986 हो गई है और 11,915 मरीज होम आइसोलेशन में हैं। राजधानी में अब कोरोना वायरस संक्रमण के एक्टिव केस घटकर 21,719 पर आ गए हैं। इसके साथ ही, अब तक कुल 13,74,682 मरीज इस महामारी को मात देकर ठीक भी हो चुके हैं। वहीं अब तक कुल मृतकों का आंकड़ा 23,565 पर पहुंच गया है।

दिल्ली में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 1568 नए मामले, 156 की मौत

दिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर से सबसे अधिक प्रभावित रही राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अब नए मामलों में लगातार कमी आ रही है. स्वास्थ्य विभाग की तरफ से जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली में पिछले 24 घंटे में 1568 लोग कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं. बता दें कि यह 30 मार्च के बाद से एक दिन में सबसे कम केस है. बीते 30 मार्च को दिल्ली में 992 केस की पुष्टि हुई थी. इसी के साथ दिल्ली में संक्रमण दर 2.14 फीसदी पर पहुंच गई है.

दिल्ली में कोरोना के नए मामले-दिल्ली में पिछले 24 घंटे में 1568 लोग कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं एवं 156 मरीजों की कोरोना से जान गई है और 4,251 मरीज रिकवर हुए हैं. इस समय शहर में 21,739 मरीजों का इलाज चल रहा है. दिल्ली में अब तक 13,74,682 लोग ठीक हुए हैं और 23,565 मरीजों की मौत हुई है.

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है

सम्पर्क करें

जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश

फोनः 0751-4901403

मो. 7879637585, 8870253710

Website-www.pushpanjalitoday.com

Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

एक नजर...

पीतांबरा मंदिर के सड़क के आरपार बने दो गेट उनमें से एक गेट ट्रैक्टर की टक्कर से गिरा टला बड़ा हादसा

संदीप प्रधान

दतिया / बताया जा रहा है कि गनीमत तो यह रही कि किसी को किसी तरह की जनहानि का नुकसान नहीं पहुंचा चार मोटरसाइकिल चपेट मैं हुए चकनाचूर जिस वक्त यह हादसा हुआ शाम का टाइम तकरीबन 6ः00 बजे जब सूचना पुलिस प्रशासन को मिली तो तुरंत मौके पर पहुंची पुलिस दतिया जिला कलेक्टर संजय कुमार जी मौके पर पहुंचे और दतिया पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौर अभी तुरंत मौके पर पहुंचे और एडिशनल एसपी कमल मौर्या भी मौके पर पहुंचे तुरंत जेसीबी द्वारा रास्ता खुलवाया गया गनीमत रही किसी को जनहानि का नुकसान नहीं पहुंचा और बताया जा रहा है कि जिस ट्रैक्टर का ड्राइवर मौके से फरार।

वैश्विक महामारी में दिन रात गौ माता की सेवा गौ सेवको द्वारा निरन्तर जारी दुर्घटना में घायल गौ माता का गौ सेवक सुरेंद्र आर्य द्वारा लाया गया गौ सेवा धाम

श्योपुर। में गौ सेवको द्वारा घायल व बीमार गौ माता की सेवा गौ सेवको द्वारा दिन रात जारी है आज बड़ोदा रोड खातोली तिराहे के पास गौ माता का एक्सीडेंट हुआ था गौ माता उठ नहीं पा रही थी गौ सेवक सुरेंद्र आर्य को इदरिश खान से घायल गौ माता की सूचना मिली सूचना मिलते ही तुरन्त पहुचे गौ सेवक गौमाता को रिक्शा से गौसेवा धाम लाया गया.. गौ सेवा धाम में किया गौ सेवक राधे पचोरी ने किया उपचार।

इन्द्रचंद परिहार ने तामीलनाडु मुख्यमंत्री राहत कोष में 51हजार रूपये की राशि सुपुर्द कीये

चैन्नई ः -संगठन के माध्यम से मुख्यमंत्री राहत कोष में दान राशि भेंट करने के क्रम में आज जगदम्बा पौन ब्रोकर्स, पेरीयापाल्यम के मालिक इन्दरचन्द परिहार ने 51000/- रुपये की सहायता राशि प्रदेशाध्यक्ष स्वामी तेजानंद महाराज तिरुवलुर जिला अध्यक्ष महावीरचंद कटारिया जैन को सुर्फद किया इस कार्यक्रम मे सघंठन के प्रदेश उपाध्यक्ष भभुतराम, कुलदानीया जाट , पप्पुलालर, प्रजापत, भागीरथ चौधरी, इन्दरचन्द के पिता गणेशराम परिहार,माताजी सुनिता देवी,परदादीसा नैनीबाई, दादीसा बाली बाई, बहिन लक्ष्मी और केराराम हांबड पेरीयापाल्यम मौजूद थे। परिहार परिवार को इस योगदान के लिए बहुत बहुत धन्यवाद जिन क्षैत्रों से सहायता राशि जुटाई जा रही हैं वहाँ के क्षैत्रीय पदाधिकारियों से विनम्र निवेदन हैं कि आप अतिशीघ्र राशि एकत्रित करके माननीय प्रदेशाध्यक्ष महोदय स्वामी तेजानंद महाराज से संपर्क करें। जिससे समय रहते कुल राशि माननीय मुख्यमंत्री को सुपुर्द की जा सके।

घर बैठकर 250 विद्यार्थियों ने दिया ऑनलाइन फ्री जीके मप्र टेस्ट

ग्वालियर सार्थक लॉ क्लासेज के द्वारा लॉकडाउन में विद्यार्थियों की पढ़ाई को ध्यान में रखते हुए एक मेगा जीके ऑनलाइन टेस्ट का आयोजन किया गया यह टेस्ट सभी के लिए निशुल्क रखा गया जिसको ऑनलाइन गूगल के माध्यम से कराया गया इस टेस्ट में पूरे मप्र से छात्रों ने भाग लिया,टेस्ट में मध्य प्रदेश जीके के प्रश्न दिए गए इस प्रश्न पत्र में मध्य प्रदेश सिविल जज एडीपीओ और मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग से संबंधित विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया सार्थक लॉ क्लासेज के डायरेक्टर अमृतांशु शर्मा ने बताया कि हमारी संस्था उन सभी विद्यार्थियों के लिए कार्य कर रही है जिन विद्यार्थियों की पढ़ाई रुकी हुई है उनके लिए लॉ विषय की कक्षाएं दी जा रही हैं और एमपीपीएससी के लिए भी हमारी कक्षाएं शुरू होने वाली है बहुत ही कम फीस में ऑनलाइन कक्षा एवं निशुल्क टेस्ट के द्वारा हम विद्यार्थियों को अध्ययन कराने के लिए अपना स्ट्रक्चर तैयार कर रहे हैं जिससे आने वाले भविष्य में हम मध्य प्रदेश को नए कुछ लॉयर्स एवं अधिकारी प्रदान कर सकें।सार्थक एजुकेशनल एकेडमी में मुख्य रूप से दिशा ओसवाल मैम ,राहुल श्रीवास्तव ,आदित्य शर्मा सर एवं टीम अन्य सदस्य विद्यार्थियो को अध्ययन करा रहे है ।

मौत के आंकड़े छुपाना देशद्रोह से कम नही-डॉ गोविंद सिंह जिले में हुई 178 मौतें कागजों में बताया सिर्फ 12

भिण्ड(अर्पित गुप्ता)प्रदेश कांग्रेस के कद्दावर नेता पूर्व मंत्री एवम लहार बिधायक डॉ गोविंद सिंह ने आज प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान,स्वास्थ्य मंत्री प्रभूराम चौधरी,प्रभारी मंत्री एवम जिले के सभी बरिष्ठ अधिकारी जिन्होंने मोत के आकड़ो को छुपाने में मदद की है सभी के खिलाफ धारा 304,420,406,467,468,124ए,124(2)आपदा प्रवंधन अधिनियम 2005 की धारा 54 एवम अन्य धाराओं के तहत अपराध दर्ज करने के लिए सिटी कोतवाली थाना प्रभारी भिंड राजकुमार शर्मा को ज्ञापन सौंपा इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रदेश की सरकार लोगो की मौत पर शियासत कर रही है और जिले में हुई 178 मौतों को मात्र 12 बताक़र बाहबाही लूट रही है ये देशद्रोह की श्रेणी में आता है निंदनीय है और इसमे दोषियों के खिलाफ कार्यबाही होनी चाहिए इस मौके पर उनके साथ गोहद बिधायक मेबाराम जाटव,रामनारायण हिंडोलिया,डॉ राधेश्याम शर्मा, खिजर मुहम्मद कुरैशी, धर्मेंद्र सिंह भदौरिया पिंकी,शालू पुरोहित,आसीर्बाद शर्मा,डॉ राजकुमार देशलहरा एवम सेकड़ो की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

कोरोना वायरस से बचाव के लिए दंदरौआ हनुमानजी का डॉक्टर रूप में हुआ श्रृंगार

महंत ने कहा डॉक्टर हनुमानजी के दर्शन मात्र से रोगों से मिलती है मुक्ति

उमाकान्त शर्मा भिण्ड रिपोर्टर

भिंड। जिले के सुप्रसिद्ध दंदरौआ धाम स्थित हनुमान जी का कोविड काल में कोरोना वायरस से मुक्ति की कामना को लेकर विशेष चोला श्रृंगार किया गया। यहां हनुमानजी का चोला श्रृंगार डॉक्टर स्वरूप में किया गया। हनुमान जी के इस स्वरूप के दर्शन करने के लिए बढ़ी तादाद में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। मंदिर के महंत महामंडलेश्वर रामदास महाराज का कहना कि यह हनुमान जी के दर्शन मात्र से रोगों से मुक्ति मिलती है। इसलिए श्रद्धालु, डॉक्टर हनुमान के नाम से भी बुलाते है। कोरोना वायरस का संपूर्ण नाश के लिए बीते दिनों से दंदरौआ धाम स्थित हनुमान मंदिर पर विशेष पूजा-अर्चना होती आ रही है। इस क्रम में दंदरौआ धाम पर हनुमान जी का विशेष श्रृंगार किया गया। यह श्रृंगार में श्रद्धालुओं ने हनुमानजी का डॉक्टर स्वरूप में दर्शन किए। यहां रोगों से मुक्ति के लिए हवन, पूजन व सुंदरकांड का भी आयोजन किया गया।

दूर-दूर तक मंदिर की है ख्याति, दर्शन करने से रोगों से मिलती मुक्ति-भिंड जिलें मौ कस्बे के नजदीक दंदरौआ धाम वाले हनुमानजी मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान प्रांत के कई जिलों में डॉक्टर वाले हनुमानजी के नाम से सुप्रसिद्ध है। यहां दूर-दूर से श्रद्धालु मंगलवार और शनिवार को रोगों से मुक्ति की कामना को लेकर आते है। श्रद्धालुओं के मुताबिक यहां पर हनुमानजी के पांच, सात, ग्याहर मंगलवार या शनिवार दर्शन करने मात्र से कई असाध्य रोगों से मुक्ति मिल रही है। यह स्थान सैंकडों साल पुराना है। स्थानीय लोगों के मुताबिक दंदरौआ धाम स्थान पर करीब छह सौ साल पहले एक तालाब के किनारे पीपल के पेड़ की जड़ के पास हनुमानजी की प्रतिमा मिली थी।

मंदिर से जुड़े कई चमत्कार बताते श्रद्धालु-यह मंदिर से जुड़े चमत्कार के कहानी किस्से क्षेत्रीय लोगों की जुबानी सुनने को मिलते हैं। यहां के महंत महामंडलेश्वर रामदास महाराज का कहना है कि यहां सबसे पहले 2001 में कैंसर जैसे असाध्य रोग को लेकर मंदिर के ही एक साधक द्वारा अर्जी लगाई गई थी। वह साधक को हनुमान जी के चरणों के जल से कैंसर जैसे रोग से मुक्ति मिली थी। वह साधक आज भी हनुमान जी की सेवा में उपस्थित रहता है। यहां हर मंगलवार और शनिवार को दर्शनों के बाद रोगों से मुक्ति मिलने पर पूजा-अनुष्ठान व धार्मिक आयोजन, श्रद्धालुओं द्वारा कराए जाते हैं।

कोविड-19 वैक्सीनेशन का किया आयोजन

पुष्पांजलि टुडे ब्यूरो चीफ

पाली। नेनाराम सीरवी।पाली। रानी/निकटवर्ती ग्राम पंचायत चाचोडी उप स्वास्थ्य केंद्र पर मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत कोविड-19 वैक्सीनेशन का किया आयोजन। सीमा मोहनोत ने बताया कि 45+आयु वर्ग के लोगों को कोराना वैक्सिंग की प्रथम और दूसरी खुराक दी जा रही है। कोरोना संक्रमण की बढ़ती हुई दूसरी रफ्तार को थामने के लिए चिकित्सा विभाग की ओर से लगातार शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ अब ग्रामीण क्षेत्रों में पूरी तरह से सक्रियता दिखाते हुए लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में वैक्सीनेशन शिविर का आयोजन किया जा रहा है।ग्राम पंचायत क्षेत्र में कोविड-19 वैक्सीनेशन के टीकाकरण के दौरान प्राथमिकता के आधार पर टीकाकरण किया जा रहा है। टीकाकरण शिविर के दौरान सुरेश कुमार लोगेशा मनोज कुमार अध्यापक गोवर्धन लाल एलडीसी। आंगनवाड़ी कार्मिक आशा सहयोगिनी दक्षा व सरला आदि मौजूद रहे।

जिलाध्यक्ष अध्यक्ष नाथू सिंह गुर्जर ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ सबलगढ़ विधायक बैजनाथ सिंह कुशवाह पर एफ आई आर की मांग की हनी ट्रैप सीडी का दिया हवाला इसी तरह गजेंद्र सिंह भदोरिया मंडल अध्यक्ष मेहगांव थाना प्रभारी से एफआईआर की मांग

संवाददाता बृजपाल सिंह गुर्जर मेहगांव

मेहगांव गजेंद्र सिंह भदोरिया ने कहां मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं सबलगढ़ विधायक वैजनाथ कुशवाह के बीच बातचीत के सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में प्रदेश के किसानों के प्रति बातचीत मैं यह दर्शाया गया की अच्छा मौका है किसानों में आग लगा दो इस मामले को लेकर उनके विरोध अपराधिक प्रकरण पंजीकृत किए जाने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने हनी ट्रैप की सीढ़ी छुपा कर अपराधिक कृत्य किया है उनके खिलाफ सपूतों को छुपाने का अपराधिक मामला दर्ज होना चाहिए प्रश्न यह है कि यदि उनके पास सपूत हैं तो उन्होंने यह सपूत न्यायालय या एसआईटी को क्यों नहीं दिए और जिला अध्यक्ष नाथू सिंह गुर्जर के नेतृत्व में मेहगांव थाना प्रभारी से गजेंद्र सिंह भदोरिया ने एफ आई आर की मांग की कहा यह कोविड-19 से संबंधित गलत आंकड़े प्रस्तुत कर जनता को भ्रमित करने का कार्य कर रहे हैं आज पूरा देश और हमारी पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता जनता के साथ खड़ा है प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के खिलाफ एफ आई आर दर्ज कराने के लिए यह आवेदन दिया है इसी प्रकार जिला अध्यक्ष नाथू सिंह गुर्जर ने सिटी कोतवाली मैं अपने लेटर पैड पर आवेदन देकर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पर एफ आई आर की मांग की।

भिंड जिला अध्यक्ष नाथू सिंह गुर्जर ने लगाऐ कांग्रेश पर कई आरोप-मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं सबलगढ़ विधायक बैजनाथ सिंह कुशवाह के संयुक्त बातचीत के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में प्रदेश के किसानों के प्रति बातचीत में यह दर्शाया गया है कि अच्छा मौका है आग लगा दो इस मामले को लेकर उनके विरुद्ध अपराध को पंजीकृत किए जाने के लिए

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने हनी ट्रैप की सीडी छुपाकर अपराधिक कृत्य किया है उनके खिलाफ सपूतों को छुपाने के अपराधिक मामला दर्ज होना चाहिए आज संपूर्ण देश और प्रदेश में पार्टी के कार्यकर्ता जन भाव से जनता की दुख की घड़ी में साथ खड़े हैं इस पर वोटों की राजनीति करना कॉन्ग्रेस की गंदी राजनीति है भारतीय जनता पार्टी इसकी घोर निंदा करती है वही पार्टी कार्यकर्ताओं ने संगठन में प्रदेश नेतृत्व के आव्हान पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पर एफ आई आर दर्ज करने के लिए भिंड शहर के सिटी कोतवाली में पहुंच कर थाना प्रभारी को आवेदन देकर शीघ्र द्व.द्व.ह्व. किए जाने के लिए आग्रह किया है उन्होंने दोबारा प्रदेश के किसानों में आग लगाने के बयान पर कहा कि कमलनाथ की परवर्ती हमेशा आग लगाने की रही है और अपने विधायकों को भी यही पाठ पढ़ा रहे हैं जनता इनके मंसूबे समझ चुकी है पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के पास हनी ट्रैप के सपूत थे तो एसआईटी को उन्होंने क्यों नहीं सौंपी उन्होंने कहा कि उमंग सिंघर को बचाने के लिए कमलनाथ जो बयान बाजी कर रहे हैं वह आपत्तिजनक ही नहीं अपराध की श्रेणी में भी आता है लोकतांत्रिक पद पर रहते हुए उसका दुरुपयोग कर कांग्रेसका चरित्र रहा है और जिला अध्यक्ष ने कहा जब दिग्विजय सिंह मुख्यमंत्री थे तब सरल मिश्रा हत्याकांड हुआ और दिल्ली में नैना सहानी का सिर काट कर तंदूर कांड में जो खा गया इसी तरह मध्य प्रदेश मंदसौर में प्रदेश की तत्कालीन शिवराज सरकार को किसानों के बीच झूठी बातों के साथ भ्रमित करने की साजिश कांग्रेस के द्वारा रखी गई है और उनके ही कार्यकर्ताओं ने मंदसौर में हिंसा आगजनी लगाने का काम किया और जिला अध्यक्ष गुर्जर ने कहा प्रदेश में मुलताई में दिग्विजय सिंह के पूर्व नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने किसानों के ऊपर गोलियां चलाकर कई किसानों की हत्या कराई इससे प्रदेश के किसानों का उत्पीड़न किया गया 1984 की घटना हम सब से छिपी नहीं है कमलनाथ कांग्रेस के दिल्ली के प्रभारी थे उस समय के आंदोलन में भी उन्होंने हिंसा फैला ने का कार्य किया जिसके से हमारे सीख भाई मौत के घाट उतारे गए जिला अध्यक्ष नाथू सिंह गुर्जर ने लगाए कांग्रेश पर कई आरोप और उन्होंने कहा कांग्रेश गंदी राजनीति करती है कहा हमेशा आग लगाने की प्रवृत्ति रही है वीडियो में साफ दिखाएं और सुनाई दे रहा है कि वे अपने विधायकों को किस तरह आग लगाने का निर्देश दे रहे हैं उन्होंने कहा कि कांग्रेश हमेशा से समाज को तोड़ने एवं भड़काने और आग लगाने का काम करती है अध्यक्ष मंडल अध्यक्ष गजेंद्र सिंह भदोरिया के साथ में उनके साथ में रहे रोहित करैया भाजपा महामंत्री नमो संघ महामंत्री उपस्थित रहे।

कोविड संक्रमण से बचाव हेतू श्योपुर जिलेवासियों को अहम् जानकारी प्रदान करती हुई बच्ची सुहानी पाठक

श्योपुर नोबल कोरोना वायरस कोविड - 19 के अंतर्गत शासन एवं

प्रशासन द्वारा संक्रमण से निजात दिलाने की दिशा में की जारी कार्यवाहीयों के अंतर्गत श्योपुर शहर की बच्ची कु. सुहानी पाठक आमनागरिकों को संदेश दे रही है मास्क जरूर पहने अपने हाथों को सेनेटाइज़ करें बार बार अपने हाथों को साबुन से धोयें, शोसल डिस्टेंसिंग और भीड़भाड़ से बचाव के उपायों को अपनाने की जानकारी आमजन को दे रही है! कलेक्टर राकेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप श्योपुर जिले में कोविड की बीमारी से निजात दिलाने के लिए हर स्तर के कदम उठाये जा रहे है साथ ही प्रदेश सरकार द्वारा लागू की! मुख्यमंत्री कोविड 19 अनुकम्पा नियुक्ति, विशेष अनुग्रह योजना,कोविड कल्याण योजना का क्रियान्वयन कराने की पहल विभागीय अधिकारीयों से शुरू कराने की पहल की गई है साथ ही नागरिकों को कोविड संकट से बचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे है श्योपुर शहर की बच्ची कु. सुहानी पाठक कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए आमजनता से अपील कर रही है कि कोरोना वायरस से आम लोग बचें! जिसमें सर्दी, जुकाम, खांसी, बुखार होने पर तत्काल चिकित्सकों से संपर्क करें साथ ही आवश्यक दवाइयां प्राप्त कर संक्रमण से निजात दिलाने के अन्य आवश्यक उपाय मास्क पहनना, शोसल डिस्टेंसिंग का पालन करना, साबुन से हाथ धोना, सेनेटाइज़ रहने के लिए जन - जन को संदेश देने में सहायक बन रही है कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए आमजनता से सुहानी पाठक अपील करती हुई बता रही है शासन प्रशासन द्वारा संक्रमण रोकने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों में सहयोग प्रदान करें साथ ही मुख्यमंत्री जी द्वारा कोविड संक्रमण के मरीजों के लिए दी जा रही सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए आगे आये इसी प्रकार मुख्यमंत्री कोविड 19 नियुक्ति, विशेष अनुग्रह योजना, के अलावा मुख्यमंत्री कोविड बाल कल्याण योजना का लाभ लेने के लिए आम जनता को प्रेरित कर रही है!

अज्ञात फरार आरोपी पर 10 हजार रूपये का इनाम घोषित

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ, दैनिक पुष्पांजली टुडे

खण्डवा।थाना किल्लौद के मामले में फरार अज्ञात आरोपी पर 10 हजार रूपये का पुरूस्कार पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने घोषित करने के आदेश जारी किए है। जो भी व्यक्ति इस आरोपी को गिरफ्तार कराने में मदद करेगा या इसे गिरफ्तार कराने के लिए जरूरी सूचना देगा उसे यह पुरूस्कार दिया जायेगा। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम पूर्णतः गोपनीय रखा जायेगा। इनाम के संबंध में अंतिम निर्णय पुलिस अधीक्षक खण्डवा का होगा। इस आरोपी से संबंधित सूचना पुलिस कन्ट्रोल रूम के फोन नम्बर 0733-2222690 तथा 7049101036 अथवा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर के मोबाइल नम्बर 7049139002 या थाना प्रभारी किल्लौद के मोबाइल नम्बर 9479994723 या हरसदू एसडीओपी के फोन नम्बर 07327-272440 पर दी जा सकती है।

मरीजों को बेहत्तर चिकित्सा सुविधा के साथ 20 तकिए और चादर भेंट की

पुष्पांजलि टुडे ब्यूरो चीफ पाली नेनाराम सीरवी/

पाली/निकटवर्ती ग्राम खेरवा के राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर स्थानीय समाजसेवी भामाशाह पारसमल खाटेड हाल गांधी धाम तथा भीमराज खाटेड एवं सह परिवार द्वारा कोरोना संक्रमण की बढ़ती हुई दूसरी रफ्तार को देखकर मानव जीवन व्यापी उपकरण राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर भेट किए। जिसमें ऑक्सीजन कंसंट्रेटर 2 आक्सीमीटर 2 टेम्परेच र गन 20 और राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा के साथ 20 तकिए और चादर भेंट की गई। सरपंच संतोष कंवर राणावत समाजसेवी भरत सिंह राणावत राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मुख्य चिकित्सक डॉ चौधरी की अनुशंसा पर स्थानीय भामाशाह ने कोराना संक्रमण की भयंकर आपातकालीन स्थिति को देखकर बेहतर चिकित्सा सुविधा देने के लिए चिकित्सा उपकरण दिए गए।स्थानीय समाजसेवी व भामाशाह द्वारा पूर्व में कई बार सहयोग की सेवाएं दी।भामाशाह ने बताया कि सेवा में कोई कमी नहीं रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि संकट के समय खर्च किया गया दान पुण्य हैं। और यह हमारा सबसे अमूल्य समय में हमें सेवा करने का मौका मिला। वर्तमान समय और वर्तमान समय की सेवा को हम हमारे जीवन की अमूल्य सेवा और समय को मानेंगे। राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के मुख्य चिकित्सक डॉ सुरेश चौधरी ने बताया कि समाजसेवी व भामाशाह द्वारा भेंट किए गए उपकरण से पी एस सी सेंटर के संबंधित उप स्वास्थ्य केंद्र के स्वास्थ्य कर्मी और संबंधित स्वास्थ्य कर्मियों को काफी राहत मिलेगी जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते प्रकोप को रोकने के लिए उपकरण मददगार साबित होंगे। सरपंच संतोष कंवर राणावत ने कोराना संक्रमण के चलते अमूल्य समय में किया गया योगदान के प्रति स्थानीय समाजसेवी खाटेड परिवार का आभार जताया। इस मौके पर खाटेड परिवार के भामाशाह समाजसेवी भरत सिंह राणावत मुख्य चिकित्सक डॉक्टर सुरेश चौधरी स्वास्थ्य कर्मी ए एन एम रेखा रानी मौजूद रहे।

घरों में रहकर ही मनायें बुद्ध पूर्णिमा : ईश्वर बंसोड महासचिव करुणागिरी कलपाथरी

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

सत्य अहिंसा करुणा मानवता के पथ प्रदर्शक तथागत बुद्ध की जयंती प्रति वर्ष बुद्ध पूर्णिमा को पूरे विश्व में हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है। किंतु इस वर्ष कोविड-19 की वैश्विक महामारी को देखते हुए बालाघाट जिले की करुणागिरी कलपाथरी के महासचिव श्री ईश्वर बंसोड ने देश के समस्त बौद्ध अनुयायियों से अपील की है कि इस वर्ष बुद्ध पूर्णिमा दिनांक 26 मई 2021 को आ रही है। अतः आप सभी अपने अपने घरों में सुरक्षित रहते हुए हर्षोल्लास के साथ बुद्ध पूर्णिमा का त्योहार मनाएं। बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर घरों को सजावट करे ,मोमबत्तियां प्रज्वलित करे तथा त्रिशरण पंचशील आर्य अष्टागिक मार्ग 22 प्रतिज्ञाओं का संकल्प लेते हुए त्रिगुणी पावन पर्व को परिवार के साथ मनाए।

विकलांगजनों की अनदेखी सहन नही करेंगे

विकलांग बल मध्यप्रदेश के सभी जिला इकाईयों द्वारा आज 25 मई को काला दिवस के रुप में मनाया गया. प्रदेश के सभी विकलांगों द्वारा ट्वीट के माध्यम से भारत के और प्रदेश के सभी मंत्रियों को अपनी बात पहुंचाई

पुष्पांजली टुडे

श्योपुर। विकलांग बल मध्यप्रदेश जिला इकाई श्योपुर सहित मध्यप्रदेश के 15 लाख से अधिक विकलांग व्यक्तियों के लिए लॉकडाउन और कोरोना काल में सहायता करने के संबंध में आज श्योपुर जिले सहित प्रदेश के 52 जिलों में प्रदेश के विकलांगों द्वारा काला दिवस मनाया गया। प्रदेश के सभी विकलांगों द्वारा ट्वीट के माध्यम से आज भारत के प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री को यह अवगत कराया गया कि मध्यप्रदेश में 2011 की जनगणना के अनुसार 15 लाख से अधिक विकलांग जन निवास करते हैं। एक तो वैसे ही इनकी स्थिति दयनीय थी और कोरोना और लॉकडाउन के कारण इनकी स्थिति और भी ज्यादा दयनीय हो गई है। इस हेतु समस्त विकलांग साथियों की आप से निम्नलिखित मांग है। आशा है कि आप इन्हें पूरी अवश्य करेंगे। 1- मध्यप्रदेश के विकलांग जनों की पेंशन 3 वर्षों से कोई वृद्धि नहीं हुई है जबकि महंगाई बहुत ज्यादा बढ़ गई है । अतः पेंशन में वृद्धि की जाएं और राशन कीदुकानों से विकलांग प्रमाण पत्र के आधार पर ही उन्हें राशन दिलवाया जाएं ताकि यह अपने भोजन, पानी, दवाइयां, किराया आदि की व्यवस्था कर सकें।

2- वर्ष 2020 के लॉकडाउन के बाद से कई विकलांग व्यक्तियों को प्राइवेट जॉब से बाहर कर दिया गया जिन विकलांग जनों की दुकानें थी वह 1 साल बाद भी नहीं चल पाई। प्रधानमंत्री जी के द्वारा आत्म निर्भर भारत के लिए 20 लाख करोड़ के लोन (ऋण) की घोषणा की गई थी । उसमें से एक पैसा किसी विकलांग जन को नहीं मिल पाया है। अतः निवेदन है कि लाखों विकलांग व्यक्तियों के पुनर्वास हेतु उनके रोजगार हेतु बिना ब्याज का लोन (ऋण) देने की कृपा करें। ताकि वह भी प्रदेश और देश के विकास में आत्मनिर्भर होकर महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

3- कोरोना काल एवं लॉकडाउन में हमने कई आमानवीय दृश्य देखे हैं उनमें से एक यह भी है कि कई विकलांग व्यक्तियों ने अपने संगठन के माध्यम से कलेक्टर एवं अन्य अधिकारियों को एवं विधायक, सांसद व समस्त जनप्रतिनिधियों को विकलांगों की समस्या के लिए मांग पत्र आवेदन ज्ञापन दिया और कई बार दिए हैं लेकिन इनमें से किसी ने भी विकलांगों की समस्या को हल करना तो दूर आश्वासन तक नहीं दिए। अतः विकलांग व्यक्तियों को भी विकलांग विभागों के अधिकारी बनाइए और 15 लाख की आबादी के हिसाब से विकलांग व्यक्तियों को भी चुनाव में आरक्षण देकर उनका जनप्रतिनिधि बनाने की कृपा करें ताकि इनकी अनदेखी कोई ना कर सकें।

4- कोरोना की बीमारी से बचाने के लिए विकलांग व्यक्ति को घर पर ही प्राथमिकता के साथ सबसे पहले टीका लगवाया जाएं ताकि उन्हें आने-जाने के परेशानी एवं बीमारी के संक्रमण से भी बचाया जा सकें। उपरोक्त समस्त वाजिब मांगों के लिए हमें आशा ही नहीं पूरा विश्वास है कि इन वाजिब मांगों को आप अवश्य पूरा करेंगे और ऐसा नहीं होने पर प्रदेश के समस्त विकलांग संगठन मुख्यमंत्री आवास एवं निश्शक्तजन कार्यालय के आगे की सड़क जाम करके धरना व आंदोलन कर अपनी मांगे मनवाएंगे। उस अवस्था को नहीं बनने दें। ऐसी स्थिति में प्रशासन ही इसका जिम्मेदार होगा!

008

संकट प्रबंध समिति के सदस्यों ने घर-घर दी दस्तक

लोगों को टीकाकरण करवाने के लिए किया प्रेरित

श्योपुर। कोविड-19 महामारी से लोगों को सुरक्षित करने के लिए जहां जिला प्रशासन युद्धस्तर पर दिन-रात अपना कार्य कर रहा है। वहीं वार्डों में आंगनबाडी कार्यकर्ताएं एवं आशा कार्यकर्ताएं भी पूर्ण रूप से अपनी जिम्मेदारियों का निवर्हन करने में लगी हुई है। उधर कोरोना महामारी को पूर्ण रूप से खत्म करने जिला प्रशासन द्वारा बनाई गई संकट प्रबंध समिति भी घर-घर दस्तक देकर लोगों को कोविड-19 का टीकाकरण लगवाने के लिए जागरूक करने में लगी है। आज मंगलवार को वार्ड 23 की संकट प्रबंध समिति ने वार्ड के ब्राहमण पाडा, भैंस पाडा, नवलक्खा रोड, कण्डेल बाजार के 146 घरों में दस्तक दी। समिति के वार्ड प्रभारी लोकेन्द्र सिंह भदौरिया एवं शिवराज सिंह चौहान ने आंगनबाडी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता एवं समिति के सदस्यों के साथ घर-घर दस्तक देकर लोगों को वैक्सिनेशन के लिए प्रेरित किया। इस दौरान जिन लोगों ने मास्क नहीं लगा रखा था उनको टीम के सदस्यों ने रोककर मास्क लगाने के लिए समझाईश दी। टीम ने घर-घर दस्तक देकर लोगों को समझाया कि आप लोग सबसे पहले टीकाकरण करवाएं। टीकाकरण से आपकी रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढेगी जिससे आपको कोरोना जैसी भयानक बीमारी से सुरक्षा मिलेगी। घर-घर पहुंचीं टीम को ऐसे कई परिवार भी मिले जो डर के कारण टीका नहीं लगवाना चाह रहे थे, लेकिन संकट प्रबंध समिति द्वारा जब उन्हें समझाईश दी गई तो वे टीका लगाने के लिए तैयार हो गए। वार्ड भ्रमण के दौरान टीम ने लोगों को समझाया कि कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए सभी को मास्क लगाने के साथ-साथ दो गज की दूरी भी बनाए रखनी होगी। इस दौरान वार्ड प्रभारी लोकेन्द्र सिंह भदौरिया, शिवराज सिंह चौहान, आबे कौशर, ममता शर्मा, ज्योति शर्मा, प्रियंका गुप्ता, नरगिश बानो, रोशन आरा, शकील पेंटर, मो. चीनी कुरैशी, अफसार अहमद, उमाशंकर शर्मा संतोष, निजाम खान, शानू खान, मिथुन उपस्थित थे। घर घर पहुँचकर लोगों को किया जागरूक!

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैनल अधिवक्ताओं के साथ वर्चुअल बैठक सम्पन्न

ब्यूरो सोनू कुमार माथुर

एटा। माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद एवं माननीय हाई-पावर कमेटी व उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एटा के सचिव श्रीमती साधना कुमारी गुप्ता द्वारा माननीय जनपद न्यायाधीश मृदुलेश कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में मंगलवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एटा के पैनल अधिवक्ताओं के साथ वर्चुअल बैठक की गयी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एटा की सचिव श्रीमती साधना कुमारी गुप्ता द्वारा पैनल अधिवक्ताओं को माननीय हाई-पावर कमेटी के निर्देशों के अनुक्रम में यह निर्देशित किया गया कि वे एक दिन छोडकर जिला कारागार एटा में बन्दियों को विधिक सहायता, प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने में सहयोग प्रदान किए जाने हेतु जिला कारागार एटा में जायेगें। सचिव द्वारा पैनल अधिवक्ताओं को यह भी निर्देश दिये गये कि कोविड-19 एवं ब्लैक फंगस के संबंध में अपने आस-पास के लोगों को जागरूक करें कि वे कैसे कोविड-9 एवं ब्लैक फंगस से अपना बचाव करें। तथा पैनल अधिवक्ता यह आवश्यक रूप से सुनिश्चित कर ले कि वे अपने आप पास के गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को विधिक सहायता की आवश्यकता हो तो उन्हें आवश्यक रूप से विधिक सहायता एवं सहयोग प्रदान करें। सचिव साधना कुमारी गुप्ता द्वारा पैनल अधिवक्ताओं को कोविड-19 एवं ब्लैक फंगस से बचाव हेतु विस्तृत जानकारी देते हुये उन्हें सचेत किया गया कि कोरोना वायरस एवं ब्लैक फंगस से बचने के लिए वे अपनी व्यक्तिगत स्वच्छता पर विशेष घ्यान दें तथा छींकते व खॉसते समय अपने मुँह पर कपडा अथवा रूमाल आदि अवश्य बांधें तथा अपने चेहरे पर मास्क लगाये रखें। उन्हें यह भी अवगत कराया गया कि अपने हाथों को किसी भी साबुन से प्रत्येक 20 मिनट बाद धोते रहे अथवा सैनीटाइजर का प्रयोग करें तथा स्वंय को अस्वस्थ महसूस होने पर तुरन्त चिकित्सक से सम्पर्क करें।

तहसील स्तर पर ऑक्सीजन की व्यवस्था हेतु नोडल अधिकारी नामित

ब्यूरो सोनू कुमार माथुर

एटा । उपजिलाधिकारी अलीगंज एस0पी0वर्मा ने बताया कि वर्तमान समय में कोविड-19 वैश्विक महामारी के दृष्टिगत जिला प्रशासन द्वारा आम जन की सुगमता के लिए तहसील स्तर पर ऑक्सीजन की व्यवस्था कर दी गयी है, कोविड मरीजों के लिए कोविड पॉजिटिव रिपोर्ट एवं डॉक्टर का मेडिकल पर्चा नोडल अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा। नोडल अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर ऑक्सीजन विशेष प्राथमिकता पर उपलब्ध करायी जायेगी। उक्त कार्य को सुचारू रूप ससमय सम्पन्न कराये जाने हेतु तहसील अलीगंज के (नजारत अनुभाग) कार्यालय में निम्न लिखित कर्मचारीगण की ड्यूटी तत्काल प्रभाव से लगायी गयी है।

रक्तदान महादान गोभक्त संगठन ट्रस्ट मैसूरू कोरोना महामारी में दे रहा निरंतर सेवा

मैसूरू- पिछले वर्ष कोरोना महामारी के लॉकडाउन में सक्रिय सेवारत रहा रक्तदान महादान गौभक्त संगठन ट्रस्ट के सदस्य इस वर्ष भी महामारी के दौरान लगे लॉकडाउन में जन सेवा कार्य करने में फ्रंट लाइन वर्कर्स की तरह निरंतर लगे हुए है। रक्त/ प्लाजमा की व्यवस्था, कोरोना मरीजों हेतु बेड की व्यवस्था या घरों में क्वारंटाइन मरीजों हेतु खाने की व्यवस्था सभी कार्य में तन-मन-धन से अपना कर्तव्य निभा रहे है। संगठन के सदस्य देवेन्द्र परिहारिया लगातार 25 दिनों से मैसूरू जिलाधिकारी कार्यालय के कोविड वॉर रूम में सेवा प्रदान कर रहे है। कॉविड अस्पतालों में अपनी जान की परवाह किए बगैर खुद वहां जाकर कई मरीजों को एडमिट कराया। इस लॉकडाउन में विभिन्न संगठनों के साथ मिलकर तीन रक्तदान शिविर का आयोजन कर 300 से अधिक ब्लड यूनिट एकत्रित कर जरूरतमंद मरीजों को आपूर्ति के लिए ब्लड बैंक को सुपुर्द किया। संगठन के अध्यक्ष देवेन्द्र परिहारिया व सक्रिय सदस्य आनन्द मांडोत, दलपत आगलेचा, चिरंजीलाल कुमावत, महेंद्र चोयल मिलकर मरीजों व जरूरतमंदो को हरसंभव मदद के लिए प्रयासरत रहते है। संगठन द्वारा आज मैसूरू मेटगली स्थित पंचकर्मा ट्रॉमा केयर सेंटर में संगठन प्रवक्ता दलपत आगलेचा के सहयोग से नोडल अधिकारी डॉक्टर राजेश की मौजूदगी में डॉक्टर व नर्सिंगकर्मियों, एम्बुलेंस चालकों व सुरक्षाकर्मी व सेवा दे रहे पुलिसकर्मियों के लिए 2000 पानी की बोतल व मास्क व सेनिटाइजर प्रदान किया गया।

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

वृजपाल सिह गुर्जर संवाददाता

मेहगांव। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेहगांव में पदस्थ समस्त संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी अपनी लंबित मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। डॉ. शिवेंद्र प्रताप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्य प्रदेश के अंतर्गत 19000 संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी कार्यरत हैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय मध्य प्रदेश शासन द्वारा 5 जून 2018 को नीति लागू की गई जिसमें संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों को नियमित कर्मचारी के वेतनमान का न्यूनतम 90त्न वेतनमान दिया जाना था। किन्तु 3 वर्ष उपरांत भी आज दिनांक तक संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों को उक्त नीति का लाभ नहीं दिया जा रहा है। इसी प्रकार निष्काषित कर्मचारियों की बहाली व सपोर्ट स्टाफ की एनएचएम में वापसी की लंबित मांगों को भी दरकिनार किया गया है। समस्त संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी लगातार पिछले वर्ष से कोरोना महामारी में आधे से भी कम वेतन पर अपनी जान हथेली पर रखकर विपरीत परिस्थितियों में 24 घंटे लगातार अपनी सेवाएं दे रहे हैं। संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों को उक्त नीति का लाभ ना दिए एवं निष्काशीतों की बहाली व सपोर्ट स्टाफ की एनएचएम में वापसी की लंबित मांगे नहीं माने जाने के कारण रोष उत्पन्न हो रहा है एवं 24 मई 2021 से मध्य प्रदेश के समस्त 19000 संविदा स्वास्थ्य कर्मचारीयों के साथ साथ विकासखंड मेहगांव के पदस्थ 35 संविदा स्वास्थ्यकर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने से ये कार्य होंगे

ये कर्मचारी रहेंगे हड़ताल पर- डॉ शिवेंद्र सिंह कुशवाह, डॉ गिरजेश बरैया, डॉ प्रियंका शर्मा, अजय सिंह भदौरिया गौरव बाथम, राजू चौधरी, श्याम शर्मा, गोपाल चौधरी, प्रदीप श्रीवास्तव, आशीष सिंह, देवेंद्र सिंह, पवन शर्मा, शैलेन्द्र नरवरिया, प्रवीण थापक, नरेंद्र खन्ना, अर्चना उपाध्याय, केतकी तोमर, गीता विश्वास, कमलेश नरवरिया, ममता शर्मा, मीना नरवरिया, राजकुमारी कुशवाह, सीमा नरवरिया, सुनीता इन्दोरिया, मंजू भदौरिया, होमश्री नरवरिया।

कलेक्टर ने दिए सभी आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड।कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने बाढ आपदा प्रबंधन की बैठक आज कलेक्टर कार्यालय भिण्ड के सभागार में ली। बैठक में वर्षा के कारण नदी, नालों में उफान को दृष्टिगत रखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में सहायक कलेक्टर केवी विवेक, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जेके जैन, अपर कलेक्टर प्रवीण फुलपगारे, संयुक्त कलेक्टर वरूण अवस्थी, एसडीएम भिण्ड/अटेर उदयसिंह सिकरवार, एसडीएम लहार आरए प्रजापति, डिप्टी कलेक्टर महेश बडोले, कमाण्डेंट होमगार्ड सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने कहा कि आगामी वर्षा ऋतु आने वाली है जिस कारण कई नदी एवं नाले उफान पर आने के कारण जनजीवन अस्त व्यस्त होने की स्थिति बन सकती है। इसलिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जहां नदी में बाढ आने के कारण कई गांवों में पानी भर जाने एवं रास्ता अवरूद्ध होने की स्थिति निर्मित हो जाती है इसलिए पहले से ही गांव के लोगों को रूकने के लिए व्यवस्था, खाने पीने की व्यवस्था, दवाईयों का भण्डारण, जिला स्तर पर कन्ट्रोल रूम स्थापित सहित सभी तैयारियां पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कंट्रोल रूम स्थापित कर उसका नम्बर प्रकाशित कराया जाए और यह कंट्रोलरूम चौबीस घण्टे चालू रहना चाहिए। जिसमें कर्मचारियों की पालियों के हिसाब से ड्यूटी लगाई जाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बोट्स, जेसीबी मशीन इत्यादि का पहले से ही इंतजाम होना चाहिए। उन्होंने कमाण्डेंट होमगार्ड से कहा कि आप अपना तैराकी बल तैयार रखने की कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

संतोष चौहान ने बनाया प्रशासन पर दबाव तो हुआ मृत गायों के शवों का हुआ पीएम

नेताओं ने की पूर्व की तरह इस घटना की भी अनदेखी

दबोह(अर्पित गुप्ता)। लहार अनुभाग के दबोह थाना अंतर्गत विभाग की लापरवाही के चलते ग्राम सलैया के रोड किनारे खेत में करंट की चपेट में आकर दो गायों की मौत हो गई थी जानकारी मिलते ही गौरक्षा संगठन प्रमुख संतोष चौहान घटनास्थल पहुंचे थे और उन्होंने सारी घटना से प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया था दोषी बिजली विभाग पर कार्रवाई एवं 2 दिन से मृत डली गायों के पी.एम के लिए,प्रशासन पर दबाव बनाया मीडिया के माध्यम से आवाज उठाई गई संतोष चौहान द्वारा पशुपालन विभाग के जिला अधिकारी नवल सिंह सिकरवार से गायों के पीएम करवाने के लिए फोन पर चर्चा की गई प्रशासन हरकत में आया वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर डॉक्टरों की टीम द्वारा मृत गायों का पीएम करवाया गया कार्यवाही आगे बढ़ाई गई आश्चर्य की बात यह है कि 2 दिन से मृत गाय रोड किनारे डली रही गायों के मालिक नरेंद्र मिश्रा न्यायोचित कार्रवाई के लिए नेताओं से मदद की गुहार लगाते रहे लेकिन किसी नेता ने गायों के हित के लिए प्रयास करना उचित नहीं समझा नहीं कोई नेता घटनास्थल पहुंचा यहां बता दें कि लहार विधानसभा में आए दिन प्रशासन की लापरवाही एवं असामाजिक तत्वों द्वारा गायों की मौत की घटनाएं घटित होती रहती हैं भूख प्यास बीमारी दुर्घटना का शिकार हो कर भी गायों की मौत होती रहती है लेकिन कभी किसी घटना पर किसी नेता की कोई प्रक्रिया नहीं रही गौ माता को न्याय दिलाने के लिए आवाज नहीं उठाई गई।।

जन अभियान परिषद द्वारा कोरोना की तीसरी लहर से बच्चों के बचाव के लिए की जा रही है विशेष तैयारियां

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

इंदौर । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा संभावित कोरोना की तीसरी लहर से बचाव हेतु जरूरी तैयारियां अभी से शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। विशेषज्ञ द्वारा अनुमान लगाया जा रहा है कि इस लहर से बच्चों के प्रभावित होने कि आशंका रहेगी। मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में प्रशासन का पूर्ण रुप से सहयोग करते हुए इंदौर के किसी भी बच्चे को कोरोना की तीसरी लहर ओर कुपोषण से प्रभावित नही होने देने का संकल्प लेते हुए जन अभियान परिषद द्वारा मैं कोरोना वॉलिंटियर अभियान के तहत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है। जन अभियान परिषद से जुड़ी संस्था कृष्णसखी ओर सहयोगी संस्थाओ के माध्यम से ÷मैं कोरोना वॉलिंटियर तथा कुपोषण मुक्त अभियान के तहत परिषद के सदस्यों द्वारा अब तक इंदौर में 2245 बच्चों के पंजीयन किए जा चुके हैं। इस अभियान को तीन श्रेणियों में बांटा गया है जिसमें प्रथम श्रेणी मे 6 महीने से लेकर 1.5 वर्ष तक के बालक-बालिकाओं को घर पर बना सेरोलेक दिया जाएगा। जिसका वे एक महीने तक उपयोग कर पाएंगे। दूसरे चरण में 1.5 वर्ष से 4 वर्ष तक के बालक-बालिकाओं को जन अभियान परिषद के सदस्यों द्वारा पोष्टिक दलिया दी जाएगी जिसका उपयोग 14 दिनों तक किया जा सकेगा। तीसरे चरण में 4 वर्ष से बड़े बालक -बालिकाओं को प्रोटीन युक्त दलिया दी जाएगी जिसका वे 14 दिनों तक प्रतिदिन उपयोग कर सकेंगे। मंगलवार से सदस्यों द्वारा पंजीकृत किए गए बच्चो तक आहार पैकेट पहुचाने के कार्यो को कोरोना प्रोटोकाल का पूर्णतः पालन करते हुए शुरू किया जाएगा। परिषद द्वारा निर्धारित किए गए लक्ष्य के तहत जिले के 10 हजार बच्चो तक यह आहार पहुचाना सुनिश्चित किया जाएगा साथ ही इन सभी बच्चो की डॉक्टरों की टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण उपरांत आवश्यकता अनुसार दवाइयां भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म की घटना में फरार आरोपी युवक 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार

ब्यूरो सोनू कुमार माथुर

एटा । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह के निर्देशन में थाना नयागांव पुलिस द्वारा थाना नयागांव एटा पर पंजीकृत मुअसं- 78/2021 धारा 376, 452, 506 भादवि व ङ पोक्सो एक्ट में नामजद अभियुक्त अरविंद को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गयी है। सोमबार को पीड़ित द्वारा थाना पर लिखित सूचना दी कि उसकी पुत्री उम्र करीब 17 वर्ष के साथ गांव के ही अरविंद पुत्र धर्म सिंह निवासी ग्राम इकौरी थाना नयागांव ने घर में घुसकर जबरन दुष्कर्म किया तथा जान से मारने की धमकी दी है। इस सूचना पर थाना नयागांव पर मुअसं- 78/2021 धारा 376, 452, 506 भादवि व ङ पोक्सो एक्ट बनाम अरविंद पंजीकृत किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा उक्त घटना में नामजद अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु थानाध्यक्ष नयागांव दिनेश कुमार सिंह को निर्देशित किया गया। रविबार को थाना नयागांव पुलिस द्वारा अभियोग उपरोक्त में वांछित चल रहे अभियुक्त अरविंद पुत्र धर्म सिंह निवासी ग्राम इकौरी थाना नयागांव को मुखबिर की सूचना पर करनपुर चौराहे के पास से गिरफ्तार किया गया है।

कमलनाथ जी के खिलाफ एफआईआर वापस नहीं हुई तो होगा आंदोलन पंकज उपाध्याय

गौरव की रिपोर्ट

मुरैना। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव पंकज उपाध्याय ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथ जी के खिलाफ हुई द्ध.द्ब.ह्र. को मध्य प्रदेश सरकार शिवराज सिंह चौहान वापस नहीं लेते हैं तो मुरैना जिले का कांग्रेस कार्यकर्ता आंदोलन करने में मजबूर हो जाएगा कांग्रेस कार्यकर्ता ईट का जवाब पत्थर से देना जानते हैं अगर इस तरीके से अत्याचार होगा तो कतई सहन नही किया जाएगा एक तरफ जहां पूरे प्रदेश में ऑक्सीजन की कमी से दवाइयों की कमी से इंजेक्शन की कमी से आम जनता तड़प तड़प के मर रही थी अस्पतालों में जगह नहीं थी भाजपा एवं मध्य प्रदेश सरकार ने मानवता को कलंकित कर दिया था वहीं दूसरी ओर हमारे नेता माननीय कमलनाथ जी सेवा भाव से कही ऑक्सीजन कहीं दवाइयां कहीं इंजेक्शन व्यवस्था कर रहे थे प्रदेश में जहां मृतकों का आंकड़ा एक लाख पहुंच गया है बीजेपी सरकार मात्र कुछ हजार संख्या बता रही है क्या यह मानवता के साथ धोखा नहीं है अगर कमलनाथ जी मृतकों की संख्या सही बताने की मांग करते हैं और अपने स्तर पर मृतकों का आंकड़ा बताते हैं तो यह मानवता है इसमें कहीं भी देशद्रोह नहीं है देशद्रोह का मुकदमा शिवराज सिंह चौहान और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर चलना चाहिए उपाध्याय ने कहा कि अगर द्ध.द्ब.ह्र. वापस नहीं हुई तो कार्यकर्ता सड़कों पर उतर कर उग्र आंदोलन करेंगे।

सम्पादकीय

मदद और मंशा

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि राजनेताओं को जरूरी दवाओं की जमाखोरी राजनीतिक उद्देश्य से नहीं करनी चाहिए। अदालत ने कहा कि अगर वे जनता की मदद करना चाहते हैं, तो दवाओं को केंद्रीय स्वास्थ्य सेवा निदेशालय को सौंप सकते हैं, ताकि सरकारी अस्पतालों में उनका इस्तेमाल हो सके। पूर्वी दिल्ली से सांसद और पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी गौतम गंभीर ने यह घोषणा की थी कि एंटीवायरल दवा फेविपिराविर या फैबिफ्लू उनके कार्यालय में उपलब्ध है और लोग वहां से मेडिकल परची दिखाकर इसे ले सकते हैं। दिल्ली पुलिस ने अदालत को बताया कि वह दवा जब्त कर ली गई है और उसे सीजीएचएस को सौंप दिया जाएगा। ऐसे और भी उदाहरण हैं। गुजरात भाजपा अध्यक्ष ने यह घोषणा की थी कि रेमडेसिविर इंजेक्शन सूरत में पार्टी कार्यालय में मिल सकता है। उनके विरुद्ध भी मामला गुजरात हाईकोर्ट में उठा है। महाराष्ट्र में भी कई नेताओं पर आरोप लगे कि उन्होंने रेमडेसिविर अपने रसूख से हासिल किए और बांटे। दरअसल, रेमडेसिविर इंजेक्शन की कोरोना संक्रमण में बहुत मांग है और देश भर से इसे पाने के लिए मारामारी की खबरें आ रही थीं। इसी वजह से केंद्र सरकार ने इसका वितरण अपने हाथों में ले लिया और यह तय किया कि इसे सिर्फ सरकारी तंत्र के जरिये ही बेचा जाएगा। यह राजनेताओं की जिम्मेदारी होती है कि वे मुसीबत में लोगों की यथासंभव मदद करें और तमाम नेता कमोबेश ऐसा करते भी हैं। कुछ नेता तो सचमुच मन से और पूरी ताकत से मददगार बनने की कोशिश करते हैं, कुछ काम कम करते हैं, और प्रचार ज्यादा करते हैं। इस महामारी के दौर में भी तमाम राजनेता अपने-अपने तरीके से मदद कर रहे हैं या मददगार दिखने की कोशिश कर रहे हैं। चूंकि महामारी के जोर से व्यवस्था चरमराई हुई है, संसाधनों की कमी है, इसलिए समर्थ लोगों से मदद की दरकार भी ज्यादा है। कई मददगार लोगों की कहानियां इस वक्त लोगों की जुबान पर हैं और समाज में उनके प्रति कृतज्ञता का भाव भी है। पर यही बात उन लोगों के बारे में नहीं कही जा सकती, जो दुर्लभ दवाएं बांटकर मददगार होना या दिखना चाह रहे हैं। अगर उनमें से कुछ की नीयत भली भी रही हो, तब भी उनका तरीका गलत था। जैसे, गौतम गंभीर की आलोचना होती रही कि जब दिल्ली में कोरोना का कहर जोरों पर था, तब वह आईपीएल में कमेंट्री करने में व्यस्त थे। फिर अचानक उन्होंने फैबिफ्लू बांटने का फैसला किया। यह वायरस-रोधी दवा है, पर कोरोना में इसके इस्तेमाल का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है, न ही किसी मान्य चिकित्सा संगठन ने कोरोना में इसके इस्तेमाल को सही ठहराया है। ऐसी दवा को बांटने से मरीजों का कुछ भला नहीं होना था, और यह कानूनन भी सही नहीं था। इसके बजाय गौतम गंभीर किसी विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह लेकर उस पैसे को अन्य काम में लगाते, तो हर तरह से बेहतर होता। रेमडेसिविर के निजी वितरण पर सरकार जब रोक लगा चुकी थी, तब तो नेताओं को इसे बांटकर लोकप्रियता हासिल करने की कोशिश करनी ही नहीं चाहिए थी। ज्यादा अच्छा यह होता कि वे अपने रसूख का इस्तेमाल रेमडेसिविर की आपूर्ति बढ़ाने और उसका वितरण व्यवस्थित करवाने के लिए लगाते। मदद करने के और भी तरीके हैं। जो सबसे चमकीला हो, वह अक्सर सबसे अच्छा नहीं होता।

कठिन कोरोना काल में थोड़ा डिजीटल हो जाएं!

-प्रो. संजय द्विवेदी

आप दिल्ली, चेन्नई या भोपाल में होते हुए भी विदेश के किसी देश में बैठे व्यक्ति को अपनी आनलाईन कक्षा में उपलब्ध करा सकते हैं। इससे शिक्षण में विविधता और नए अनुभवों का सामंजस्य भी संभव हुआ है। इस शिक्षा का ना तो भूगोल है, न ही समय सीमा। इन लाकडाउन के दिनों में अनेक मित्रों ने कई विषयों में आनलाइन कोर्स कर अपने को ज्ञानसमृद्ध किया है। भोपाल का एक विश्वविद्यालय सूदूर अरुणाचल विश्वविद्यालय के विद्वान मित्रों के साथ एक साझा संगोष्ठी आनलाइन आयोजित कर लेता है। यह किसी विदेशी विश्वविद्यालय के साथ भी संभव है। यात्राओं में होने वाले खर्च, आयोजनों में होने वाले खर्च, खानपान के खर्च जोड़ें तो ऐसी संगोष्ठियां कितनी महंगी हैं।

यह डिजीटल समय है,जहां सूचनाएं, संवेदनाएं, सपने-आकांक्षाएं, जिंदगी और यहां तक कि कक्षाएं भी डिजीटल हैं। इस कठिन कोरोना काल ने भारत को असल में डिजीटल इंडिया बना दिया है। जिंदगी का हर हिस्सा तेजी से डिजीटल हुआ है। बचा-खुचा होने को आतुर है।कोरोना काल ने सही मायने में भारत को डिजीटल इंडिया बना दिया है। पढ़ाई-लिखाई के क्षेत्र में इसका व्यापक असर हुआ है। प्राइमरी से लेकर उच्चशिक्षा संस्थानों ने आनलाईन कक्षाओं का सहारा लेकर नए प्रतिमान रचे हैं। आने वाले समय में यह चलन कितना प्रभावी होगा यह तो नहीं कहा जा सकता, किंतु संकट काल में संवाद, शिक्षा और सहकार्य के तमाम अवसर इस माध्यम से प्रकट हुए हैं।

ऑनलाईन कक्षाओं की मानसिक बाधा

हमारे जैसे पारंपरिक सोच के शिक्षकों में आनलाईन शिक्षा को लेकर हिचक है, वह टूटी नहीं है। बार-बार कहा जा रहा कि आनलाइन कक्षाएं वास्तविक कक्षाओं का विकल्प नहीं हो सकतीं क्योंकि एक शिक्षक की उपस्थिति में कुछ सीखना और उसकी वर्चुअल उपस्थिति में कुछ सीखना दोनों दो अलग-अलग परिस्थितियां हैं। संभव है कि हमारा अभ्यास वास्तविक कक्षाओं का है और हमारा मन और दिमाग इसे स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है कि आनलाइन कक्षाएं भी सफल हो सकती हैं। दिमाग की कंडीशनिंग(अनुकूलन) कुछ ऐसी हुई है कि हम वर्चुअल कक्षाओं को वह महत्ता देने के लिए तैयार नहीं है जो वास्तविक कक्षाओं को देते हैं। फिर भी यह मानना होगा कि आभासी दुनिया आज तमाम क्षेत्रों में वास्तविक दुनिया को मात दे रही है। हमारे निजी जीवन में हम जिस तरह डिजीटल हुए हैं, क्या वह पहले संभव दिखता था। हमारी बैंकिंग, हमारे बाजार, हमारा खानपान, तमाम तरह के बिल भरने की प्रक्रिया, टिकिटिंग और ट्रैवलिंग के इंतजाम क्या कभी आनलाइन थे। पर समय ने सब संभव किया है। आज एटीएम जरूरत है तथा आनलाइन टिक्ट वास्तविकता। हमारी तमाम जरूरतें आज आनलाईन ही चल रही हैं। ऐसे में यह कहना बहुत गैरजरुरी नहीं है कि आनलाइन माध्यम ने संभावनाओं के नए द्वार खोल दिए हैं। आनलाइन शिक्षा के माध्यम को इस कोरोना संकट ने मजबूत कर दिया है।

सहज संवाद से जुड़ती दुनिया

बावजूद इसके हम देखते हैं तो आनलाइन कक्षाओं ने संसाधनों का एक नया आकाश रच दिया है। जो व्यक्ति आपकी किसी क्लास, किसी आयोजन, कार्यशाला के लिए दो घंटे का समय लेकर नहीं आ सकता,यात्रा में लगने वाला वक्त नहीं दे सकता। वही व्यक्ति हमें आसानी से उपलब्ध हो जाता है। क्योंकि उसे पता है कि उसे अपने घर या आफिस से ही यह संवाद करना है और इसके लिए उसे कुछ अतिरिक्त करने की जरुरत नहीं है। यह अपने आप में बहुत गजब समय है। जब मानव संसाधन के स्मार्ट इस्तेमाल के तरीके हमें मिले हैं। आप दिल्ली, चेन्नई या भोपाल में होते हुए भी विदेश के किसी देश में बैठे व्यक्ति को अपनी आनलाईन कक्षा में उपलब्ध करा सकते हैं। इससे शिक्षण में विविधता और नए अनुभवों का सामंजस्य भी संभव हुआ है। इस शिक्षा का ना तो भूगोल है, न ही समय सीमा। इन लाकडाउन के दिनों में अनेक मित्रों ने कई विषयों में आनलाइन कोर्स कर अपने को ज्ञानसमृद्ध किया है। भोपाल का एक विश्वविद्यालय सुदूर अरुणाचल विश्वविद्यालय के विद्वान मित्रों के साथ एक साझा संगोष्ठी आनलाइन आयोजित कर लेता है। यह किसी विदेशी विश्वविद्यालय के साथ भी संभव है। यात्राओं में होने वाले खर्च, आयोजनों में होने वाले खर्च, खानपान के खर्च जोड़ें तो ऐसी संगोष्ठियां कितनी महंगी हैं। बावजूद इसके किसी व्यक्ति को साक्षात सुनना और देखना। साक्षात संवाद करना और वर्चुअल माध्यम से उपस्थित होना। इसमें अंतर है। यह रहेगा भी। बावजूद इसके जैसे-जैसे हम इस माध्यम के साथ हम सहज होते जाएंगें,यह माध्यम भी वही सुख देगा जो किसी की भौतिक उपस्थिति देती है। भावनात्मक स्तर पर इसकी तुलना सिनेमा से की जा सकती है। यह सिनेमा सा सुख है। अच्छा सिनेमा हमें भावनात्मक स्तर पर जोड़ लेता है। इसी तरह अच्छा संवाद भी हमें जोड़ता है भले ही वह वर्चुअल क्यों न हो। जबकि बोरिंग संवाद भले ही हमारे सामने हो रहे हों, हम हाल की पहली पंक्ति में बैठकर भी सोने लगते हैं या बोरियत का अनुभव करने लगते हैं।

हम विचार करें तो शिक्षा का असल काम है, विषय में रूचि पैदा करना। अच्छा शिक्षक वही है जो आपमें जानने की भूख जगा दे। इसलिए प्रेरित करने का काम ही हमारी कक्षाएं करती हैं। पुरानी पीढ़ी शायद इतनी जल्दी यह स्वीकार न करे, किंतु नई पीढ़ी तो वर्चुअल माध्यमों के साथ ही ज्यादा सहज है। हमें दुकान में जाकर सैकड़ों चीजें में से कुछ चीजें देखकर,छूकर, मोलभाव करके खरीदने की आदत है। नई पीढ़ी आनलाइन शापिंग में सहज है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जिनमें नई पीढ़ी की चपलता, सहजता देखते ही बनती है। शायद हम जैसे शिक्षकों को इस माध्यम के साथ वह सहजता न महसूस हो रही हो, संभव है कि आपकी वर्चुअल कक्षा में उपस्थित छात्र या छात्रा उसके साथ ज्यादा सहज हों। हमारा मन यह स्वीकारने को तैयार नहीं है कि कोई स्क्रीन हमारी भौतिक उपस्थिति से ज्यादा ताकतवर हो सकती है। किंतु आवश्यक्ता और मजबूरियां हमें नए विकल्पों पर विचार के लिए बाध्य करती हैं।

यहां नहीं डूबता सूरज

इस कठिन समय में आनलाइन शिक्षा आज की एक वास्तविकता है, जिसे हम माने या न मानें स्वीकारना पड़ेगा। कोरोना के संकट ने हमारी पूरी शिक्षा व्यवस्था के सामने कई सवाल खड़े किए हैं। जिसमें क्लास रूम टीचिंग की प्रासंगिकता, उसकी रोचकता और जरुरत बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। ज्ञान को रोचक अंदाज में प्रस्तुत करने और सहज संवाद की चुनौती भी सामने है। आज का विद्यार्थी नए वर्चुअल माध्यमों के साथ सहज है, उसने डिजीटल को स्वीकार कर लिया है। इसलिए डिजीटल माध्यमों के साथ सहज संबंध बनाना शिक्षकों की भी जिम्मेदारी है। कक्षा के अलावा असाईनमेंट, नोट्स और अन्य शैक्षिक गतिविधियों के लिए हम पहले से ही डिजीटल थे। अब कक्षाओं का डिजीटल होना भी एक सच्चाई है। संवाद, वातालाप, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों को डिजीटल माध्यमों पर करना संभव हुआ है। इसे ज्यादा सरोकारी, ज्यादा प्रभावशाली बनाने की विधियां निरंतर खोजी जा रही हैं। इस दिशा में सफलता भी मिल रही है। गूगल मीट, जूम, जियो मीट, स्काइप जैसे मंच आज की डिजीटल बैठकों के सभागार हैं। जहां निरंतर सभाएं हो रही हैं, विमर्श निरंतर है और संवाद 247 है। कहते हैं डिजीटल मीडिया का सूरज कभी नहीं डूबता। वह सदैव है, सक्रिय है और चैतन्य भी। माध्यम की यही शक्ति इसे खास बनाती है। यह बताती है कि प्रकृति सदैव परिवर्तनशील है और कुछ भी स्थायी नहीं है। मनुष्य ने अपनी चेतना का विस्तार करते हुए नित नई चीजें विकसित की हैं। जिससे उसे सुख मिले, निरंतर संवाद और जीवन में सहजता आए। डिजीटल मीडिया भी मनुष्य की इसी चेतना का विस्तार है। इसके आगे भी वह नए-नए रुप लेकर आता रहेगा। नया और नया और नया। न्यू मीडिया के आगे भी कोई और नया मीडिया है। उस सबसे नए की प्रतीक्षा में आइए कोरोना काल में थोड़ा डिजीटल हो जाएं। कोरोना काल के समापन के बाद जिंदगी और शिक्षा के माध्यम क्या वैसे ही रहेंगें यह सोचना भूल होगी। दुनिया ने हमेशा नवाचारों को स्वीकारा है, इस नवाचार के तमाम हिस्से हमारी जिंदगी में शामिल हो जाएगें,इसमें दो राय नहीं है।

(लेखक भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली के महानिदेशक हैं)

फ़िज़ूल खर्च को पहचानों, कंपनीयों के दावों को पहचानों

क्यूँ आज सबकी जेब पर बोझ पड़ रहा है ? क्यूँ महंगाई और सरकार को कोसते है सब। कभी ये क्यूँ नहीं सोचते की बिनजरूरी चीज़ों पर व्यर्थ खर्च कर रहे है हम। आज से कुछ साल पहले के रहन सहन में और आज के रहन सहन पर एक नज़र डालेंगे तो पता चल जाएगा कि कुछ चीजों पर कितना फ़िज़ूल खर्च कर रहे है हम। खुद को नये ज़माने के जताने के चक्कर में नयी नयी प्रोडक्ट से घर भर देते है। जीवन जीने के चोंचले बढ़ गए है।

महंगे साबुन, टूथपेस्ट बालों का तेल, दूध में मिलाने वाले प्रोटीन पाउडर, फ़र्श क्लीनर और ब्यूटी प्रोडक्ट से लेकर बच्चों के उपयोग में लाई जाने वाली कोई भी अन्य प्रोडक्ट हो, आज बाजारों में भरमार लगी है प्रोडक्ट्स की। पहले के ज़माने में इनमें से आधी चीज़ें भी नहीं होती थी फिर भी चल जाता था, और लोगों की सेहत भी अच्छी रहती थी। आज हमारे जीवन में रोज़मर्रा की जरूरतों के लिए तरह तरह की चीज़ें बन रही है। पहले के जमाने में दातून से काम चल जाता था आज हर्बल से लेकर कितने प्रकार की टूथपेस्ट उपलब्ध है। और कंपनी के बड़े-बड़े दावे की हमारी टूथपेस्ट में लौंग है, नमक है, ये है, वो है। साबुन में केसर, मलाई और चंदन के दावे सिर्फ़ और सिर्फ़ हमें आकर्षित करने के तरीके मात्र है। हैंडवोश वाले तो 99.9 त्न कोरोना वायरस को मारने के दावे करते है। बाथरूम क्लीनर और फ़र्श क्लीनर में भी अलग-अलग प्रोडक्ट। हाथ पौंछने के लिए वाइप्स, मुँह पोंछने के लिए अलग वाइप्स। डेटोल में भी तरह-तरह की फ़लेवर, सब्जी साफ़ करने के कैमिकल अलग

से। वोशिंग पाउडरों के दावे तो हद ही करते है, ओईल और करी के दाग चुटकी में गायब। असल में गायब होते ही नहीं। पहले एक निरमा वोशिंग पाउडर सब जगह चल जाता था कपड़े धो लो, बर्तन साफ़ कर लो या वोशबेज़िन की सफ़ाई सबमें चलता था। शैम्पू की तो बात ही निराली, लंबे घने बालों को दर्शाते कितने काल्पनिक दावे करते है, उसमें भी अलग अलग प्रोडक्ट, किसीमे एलोवेरा तो किसीमे शहद, किसीमे नींबू तो किसीमे रीठा के गुण। और नमक को ही लीजिए उसमे भी कितनी वरायटी सादा और आयोडीन वाला। और रिफ़ाइन्ड ऑयल के तो क्या कहने हृदय को सलामत रखने वाले तेलों में भी सौ ब्रांड और पचास दावे। कहाँ होते थे वॉटर प्योरिफ़ायर मटके का पानी भी प्यास बुझाता था फिर भी किडनी स्टोन की शिकायतें कम होती थी। कितना कुछ गिनवाए, नहीं लगता कि ये सारी चीजें बिनजरूरी और घर का बजेट हिला देने वाली है और कंपनी की तरफ़ से किए गए दावों में कितनी प्रतिशत सच्चाई होती है ? सब जानते है अपनी प्रोडक्ट बेचने के लिए जनता को बेवकूफ़ बनाकर शीशे में उतारने की साज़िशें होती है। हर चीज़ में मिलावट और हार्मफ़ूल कैमिकलों की भरमार होती है। क्यूँकि जब से इन सारी मिलावट वाली चीज़ों का हम उपयोग कर रहे है तब से स्वास्थ्य पर बुरी असर हो रही है। आज कैंसर जैसी खास बिमारी आम हो गई है। कभी आराम से सोचोगे तो पता चलेगा कि ये जो मोल में रखी आकर्षक पैकिंग में लिपटी हर चीज लोगों को आकर्षित करती है ये मार्केट की चकाचौंध जेब पर बहुत भारी पड़ती है। हर महीने जब शोपिंग करके चीज़ें लाएं उसमें से फ़िज़ूल चीजें हटाएंगे तो पता चलेगा की कम से कम एक हज़ार रुपये बर्बाद किए होंगे। तो महंगाई और सरकार को कोसने के बदले कुछ चीज़ों से परे रहेंगे तो जेब भारी रहेगी।

(भावना ठाकर, बेंगुलूरु)प्रभावु

कोरोना

नजर जहाँ भी
जाए,बदले है नज़ारे
ऐसा परिवर्तन आया
है,जीवन मे हमारे
शिक्षा से अचानक देखो
,छात्र जो हो गए दूर
लगे है कुछ झुंझुलाने,व
कुछ हो गए क्रूर
विषाणु के प्रकोप से,मुश्किल हो गया जीना
अच्छे-अच्छे अवसर,और खुशियां इसने छीना
सब कुछ सूना-सूना है,ठप पड़े है काम
पूरी तरह संसाधन में,लगा है पूर्ण-विराम
दिनों दिन जो बढ़ रहा,कोरोना का अनुपात
सुकून नही सुबह है में,ना ही चैन की रात
मची है त्राहि-त्राहि,हम सबका मन निराश है
ये कैसा द्रश्य है आँखों मे,लाश के ऊपर लाश है
दिनचर्या पूरी बदल गई,हर दिन लगता इतवार
पढ़ाई हो गई परिवर्तित,ऑनलाइन की मोहताज
न ही खुलते कॉलेज है,बंद पड़े है स्कूल
हम पर इसके कारण,प्रभाव पड़ा प्रतिकूल
ये भीषण महामारी अब,चारो दिशा में फैली
रिक्त नही हो पाई फिर भी देखो ज्ञान की थैली
दी है बलि इच्छाओं की,मन को अपने मार के
लड़ेंगे अब पुरजोर,नही बैठेंगे हम यूँ हार के
हम है भारतवासी,मरते दम तक फ़र्ज़ निभाना है
ये देश है हमारा हर हाल महामारी से हमे बचाना है

डॉक्टर प्रिया पचौरी
वेटनरी यूनिवर्सिटी जबलपुर (मध्यप्रदेश)

परिवार बिना अधूरे है

हंसी खुशी के गोलगप्पे दिनभर,
सपने सभी यहां सुनहरे पलते हैं ,
दादा दादी की डांट पड़े फिर भी
प्यार सभी एक दूजे को करते हैं!
जीवन का सुख-दुख बाटे अपना
मात-पिता की छांव में यहां पलते हैं।।
परिवार बिना है सब सुना सुना
त्योहार भी अब कहां बनते हैं,
खाली पड़े हैं सारे शीश महल
दिवाली में दीप कहां उतने जलते हैं,
कितने भी मॉडर्न हो जाओ पर
परिवार बिना, कहां ठीक से पलते हैं।।
रिश्तेदारी, दोस्ती यारी सब अब
दिखावे से है सब भरा हुआ ,
सुबह शाम बस इंटरनेट है ,
अब दोस्ती यारी एक किस्सा है !
बिना परिवार दूर हुए हैं सबसे
यह वर्तमान का एक हिस्सा है।।
कांच के बने इन शहरों में
पक्की माटी के हे मकान
धूप बहुत यहां पर रहती
छांव का नहीं है कोई निशान !
ना परिवार का प्रेम यहां पर,
न ही आए अब कोई मेहमान।।
बिसम परिस्थिति में भी मन में
सकारात्मक विचार आ जाते है!
मात पिता के आशीष लेकर
होते सभी काम पूरे है !
नोक झोंक तो चलती रहती
पर परिवार बिना हम अधूरे हैं।।

प्रतिभा दुबे (स्वतंत्र लेखिका)
ग्वालियर मध्य प्रदेश

लिटेररी वॉरियर्स ग्रुप ने मनाया ऑनलाइन रंगा रंग संगीत कार्यक्रम

मशहूर लेखिका, कवयित्री, शायरा, लिम्का बुक अवार्ड से सम्मानित नीलम सक्सेना जी के फेसबुक पेज से आप सभी बखूबी परिचित हैं, जिस पर सप्ताह में अनेको लाइव काव्य पाठ और गोष्ठियाँ आयोजित होती रहती हैं। उसी ग्रुप से जुड़े लोगों का एक व्हाट्सएप समूह भी है, जिसमें देश विदेश से अनेको लोग जुड़े हुए हैं। समूह के लोगों का एक मासिक जूम मीटिंग रखी जाती है, और वहाँ सब अलग ही मस्ती का आनन्द उठाते हैं जो की प्रसारित नहीं हो रहा होता है। एक दूसरे की बॉंडिंग भी देखने को मिलती है, तो कल की मीटिंग मई माह की मीटिंग थी और यह मीटिंग गर्लस् विशेषांक थी, जिसमें सभी जुड़े पात्र सिर्फ महिलाएं/लड़कियाँ थी। मीटिंग की इस मस्ती में शामिल हुए लोग थे, नीलम जी, सुरेखा जी, अंजली जी, अलका जी, अपर्णा जी, रेणु जी, वहीदा जी, मनीषा जी, पारुल जी व सरिता जी, जो कि देश के भिन्न भिन्न प्रांत से जुड़े हुए थे। तो बताना चाहूँगी कि आज के इस जुड़ाव में हमारा एक विशिष्ट मेहमान भी था और इस मिलन का एक विशिष्ट नाम भी रखा गया था, तो अनुमान लगाइये ऐसा क्या विशेष था। जी हाँ दोस्तों यह समूह हम सबका परिवार है और हम एक दूसरे से आत्मिक रूप से ऐसे जुड़ गये हैं कि हर किसी का सुख दु:ख अपना हो गया है। तो हमारे समूह की एक चहेती हैं अल्का जी जिन्हें हम प्यार से ऐनी बुलाते हैं, जो देखने में प्यारी सी गुड़िया लगती हैं, गोलू मोलू सी, उम्र तो जैसे उन्हें छूना ही भूल गयी और वह अपने युवा अवस्था में ठहर सी गयी है। जी हाँ हमारी कोयल सी कोकिला ऐनी जी की वाणी भी उन्हें एक बच्चा ही समझती है और सुरीले कंठ से सबको भ्रमित कर

देती है। तो दोस्तों हमारी ऐनी जी सासु माँ बन गयी हैं इसी हफ्ते इनके बेटे की शादी थी और आज की विशिष्ट मेहमान हम सबकी प्यारी बहु मोनिका डार्लिंग थी। कुछ कुछ आगे भी समझ आ ही गया होगा आप सभी को जैसा कि मैंने कहा कि आज के मिलन का विशेष नाम भी था, हाँ तो यही था नाम %मुख दिखाई% जो कि हमारे भारतीय समाज में शादी के बाद का एक रिवाज है। तो आज के इस विषम परिस्थिति में जब हम सभी किसी कार्यक्रम में सशरीर उपस्तिथि नहीं दर्ज करा पा रहे हैं, इस नेटवर्क की दुनिया ने अपनों को पास लाने में बड़ी मदद की है, उसी नेटवर्क से वर्चुअली जुड़कर आज हम सभी ने उस परम्परा को निभाने में सफलता प्राप्त की।

आज की शाम सुकून भरी गुजरी
दिल को खुशनुमा कर गयी
बहु की मुख दिखायी ने
महफ़िल में चार चाँद लगा गयी

हम सभी का प्लान था कि आज कुछ संगीत का आनन्द लिया जाय और सभी को कुछ गुनगुनाना था चाहे वह लोकगीत हो, फ़िल्मी गीत हो या अपने लिखे नज्म हों। तो इस सिलसिले की शुरुवात अपर्णा जी ने बधाई गीत गाकर किया और बहु के आगमन का जोरदार स्वागत हुआ। मनीषा जी ने बहुत सुरीली आवाज और लय में भोजपुरी गीत को गाया- %हाथ में मेहंदी माँग सेंदुरवा, बर्बाद कजरवा हो गईला हो। पारुल जो कि एक जानी मानी गायिका हैं अपने सुरों से सबको सम्मोहित कर लेती हैं, उनकी आवाज से महफ़िल में नया रंग जम गया। रेणु जी, वहीदा जी ने बहुत ही मनमोहक गाया और ऐसा बिल्कुल नहीं है कि ये दोनों लोग गाते ही नहीं है। सुरेखा जी, अंजलि जी ने अपने लिखे हुए नज्मों को बहुत ही सुन्दर ढंग से प्रस्तुत किया। सरिता जी ने भी लोकगीत प्रस्तुत किया, नीलम जी भी बीच बीच में गुनगुनाती रही और हाँ आज की हमारी सासु माँ अल्का जी ने अपने सुरीले कंठ से सुरीला गान गा करके शमा को रोशन कर दिया। अंत में मनीषा जी ने अपनि गीत नहीं नहीं जाना नहीं, अभी नहीं जाना नहीं% की प्रस्तुति देकर सभी को विदा किया, और ऐसे ही कार्यक्रम को अगले महीने कुछ नये अंदाज में लाने का वादा किया है। तो हाँ दोस्तों इंतज़ार करिये हमारे नये गपशप का तब तक के लिए पढ़े आनंद ले अपना खयाल रखे स्वस्थ रहे।

मस्तियों में हमारे आप भी शामिल हो
गोष्ठियों में आकर आप भी आनंदित हो
स्वागत रहेगा सदा आपका फेसबुक पेज पे
पर आपके जो विचार मिलें मर्यादित हो

उ. सरिता त्रिपाठी
लखनऊ, उत्तर प्रदेश

छोटा पर्दा

तारक मेहता का उल्टा चश्मा की बबीता जी ने बताए अपने अनुभव

अपने पहले ऑडिशन में फेल हो गई थी मुनमुन दत्ता

तारक मेहता का उल्टा चश्मा भारत के सबसे लोकप्रिय टीवी सीरियल में से एक है। लोगों का पसंदीदा शो होने के साथ-साथ यह शो भारत में सबसे ज्यादा समय तक चलने वाले धारावाहिकों में भी शामिल है। फैंस को इस तरीके की कॉमेड़ी पसंद है। इसी वजह से वो ज्यादा से ज्यादा यह शो देखना चाहते हैं। दयाबेन, जेठालाल या टप्पू शो के हर किरदार को लोग बहुत पसंद करते हैं। लेकिन, आपको शायद ही पता हो कि इस शो की बबीता जी यानी मुनमुन दत्ता अपने पहले ऑडिशन में फेल हो गई थीं। तारक मेहता के सभी फैन मुनमुन दत्ता को भी बहुत पसंद करते हैं। फैंस को उनकी एक्टिंग भी काफी पसंद है। बबीता जी जब पहली बार ऑडिशन देने गई थी तब वो बालों से जुड़े एक उत्पाद के लिए ऑडिशन देने गई थी। उस समय बबीता जी को पता नहीं था कि कैसे ऑडिशन दिए जाते हैं। इस वजह से उन्हें बाहर कर दिया गया था।

नर्वस होने की वजह से नहीं दे पाई थी शॉट

बातचीत में उन्होंने बताया कि जब उन्होंने डायरेक्टर को देखा तो वो काफी नर्वस हो गई थी। इस वजह से वो शॉट नहीं दे पाई थी। उन्होंने कहा 'मेरा पहला ऑडिशन बालों के एक सीरम के लिए था। यह बहुत ही खराब गया था। इसी वजह से यह मुझे अभी तक याद है। मुझे ऑडिशन के बारे में कुछ नहीं पता था। एक शब्द तक नहीं। मैं कैमरे के सामने थी और वहां कई लोग बैठे हुए थे। वहां कास्टिंग डायरेक्टर भी थे। मैं काफी नर्वस थी। मुझे अपने बाल थामकर चिल्लाना था। यह वाकई बहुत खराब था।

'भाभी जी घर पर हैं' को अलविदा कह चुकी हैं **नेहा पेंडसे**

टीवी की दुनिया का मशहूर सीरियल 'भाभी जी घर पर हैं' अपने हर एपिसोड से खूब धमाल मचाता है। शो दर्शकों का मनोरंजन करने में कोई कसर नहीं छोड़ता है। बीते कुछ दिनों पहले ही 'भाभी जी घर पर हैं' में नई अनीता भाभी यानी एक्ट्रेस नेहा पेंडसे की एंट्री हुई थी। उन्हें शो में खूब पसंद भी किया जा रहा था, लेकिन बीते कुछ दिनों से नेहा पेंडसे शो में नजर नहीं आ रही हैं। इसे लेकर यह भी आशंका जताई जा रही थी कि एक्ट्रेस ने 'भाभी जी घर पर हैं' शो को अलविदा कह दिया है। हालांकि, अब इस बात पर खुद एक्ट्रेस ने सफाई दी है। बॉलीवुड की रिपोर्ट के मुताबिक नेहा पेंडसे ने शो को छोड़ने की अफवाहों से इंकार करते हुए कहा, 'मुझे इस बात से कोई हैरानी नहीं हो रही है कि बीते कुछ दिनों से मेरे शो में न दिखने के कारण ये अफवाहें सामने आ रही होंगी। लेकिन मैं बता दूं कि वह एपिसोड पुराने हैं और उस वक्त मैं शूटिंग का हिस्सा नहीं थी।' नेहा पेंडसे ने मीडिया से की गई बात में बताया, 'जब इन एपिसोड का प्रसारण टीवी पर हुआ तो कई लोगों ने मुझे मैसेज किये और कहा कि वह मुझे स्क्रीन पर बहुत ही मिस कर रहे हैं। ऐसे में मुझे उन्हें समझाना पड़ा कि मैं जल्द ही शो में दिखाई दूंगी। मैं अपने इस रोल को निभाते हुए वाकई में बहुत खुश हूं।' नेहा पेंडसे ने दर्शकों द्वारा उन्हें अनीता भाभी के रूप में स्वीकारने पर भी बात की।

रणवीर सिंह ने खरीदी 3.15 करोड़ की कार

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह अपनी बेहतरीन ऐक्टिंग के साथ ही लग्जरी लाइफस्टाइल के लिए पॉप्युलर हैं। इस समय वह अपनी नई लग्जरी कार को लेकर चर्चा में हैं। दरअसल, रणवीर सिंह लेम्बोर्गिनी उरुस पर्ल कैप्सूल खरीदकर घर ले आए हैं। इस लग्जरी कार की कीमत 3.15 करोड़ रुपए (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है। बताते चलें कि ऐक्टर के पास पहले से ही रेड कलर की लेम्बोर्गिनी उरुस कार मौजूद है, जिसे उन्होंने बीते साल 2019 में खरीदा था। रणवीर सिंह ने जो ऑरेंज कलर की लेम्बोर्गिनी उरुस पर्ल कैप्सूल खरीदी है, इसमें तमाम सुविधाएं मौजूद हैं। यह लग्जरी कार सिर्फ 3.6 सेकेंड में 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेती है और इसकी टॉप स्पीड 305 किमी प्रति घंटा है। बता दें कि रणवीर सिंह के पास पहले से ही

मर्सिडीज-बेंज जीएलएस, एस्टन मार्टिन रैपिड एस, लैंड रोवर रेंज रोवर वोग, ऑडी क्यू 5, जगुआर एक्सजे एल और मारुति सुजुकी सियाज जैसी कारें मौजूद हैं। रणवीर सिंह की लेम्बोर्गिनी कार में 23 इंच के टैगेट पहियों के बजाय 22 इंच के पहियों पर चलती है जो स्पेशल वेरिएंट मॉडल के साथ स्टैंडर्ड फॉर्म में आते हैं। कार में इसके बजाय 21 इंच के अलॉय व्हील दिए गए हैं। बताते चलें कि लेम्बोर्गिनी उरुस पर्ल कैप्सूल रणवीर सिंह से पहले कार्तिक आर्यन, रोहित शेट्टी, पुनीत राजकुमार, अदार पूनावाला, मुकेश अंबानी जैसी हस्तियों के पास है। भारत में इस कार को लोग पसंद कर रहे हैं और इसे खरीद रहे हैं।

फिल्म '83' में नजर आएंगे रणवीर

वर्क फ्रंट की बात करें तो रणवीर सिंह डायरेक्टर कबीर खान की फिल्म '83' में नजर आएंगे। यह फिल्म साल 1983 के क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारतीय टीम की जीत की कहानी आधारित है। इस फिल्म में दीपिका पादुकोण भी हैं। शादी के बाद यह पहला मौका है जब दोनों किसी फिल्म में नजर आएंगे। फिल्म में रणवीर सिंह कपिल देव का रोल कर रहे है तो दीपिका पादुकोण उनकी पत्नी रोमी देवी की भूमिका में है।

फैमिली मैन 2 को लेकर बढ़ा विवाद

तमिलों के खिलाफ बताया सीरीज, बैन करने की मांग

फैमिली मैन 2 का ट्रेलर जब से रिलीज हुआ है, सीरीज विवादों में है। मनोज बाजपेई समांथा अक्किनेनी की मच अवेटेड सीरीज पर आरोप है कि यह तमिलों के खिलाफ है। एमडीएमके नेता और राज्यसभा सांसद वाइको ने सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर को चिट्ठी लिखकर इस सीरीज को बैन करने की मांग की है। उनका आरोप है कि इस सीरीज में तमिलों को बेहद ही नकारात्मक तरीके से पेश किया गया है। फैमिली मैन 2 के ट्रेलर में यह दिखाया गया है कि साउथ की अभिनेत्री समांथा अक्किनेनी एक आतंकवादी 'राजी' हैं जो सरकार के विरुद्ध एक मकसद के लिए निकली हैं। इस सीजन को चेन्नई की पृष्ठभूमि में फिल्माया गया है जहां अंडरकवर एजेंट श्रीकांत तिवारी (मनोज बाजपेई) राजी को पीछे लगे हैं और अपने देश को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। वाइको का कहना है कि इस सीरीज ने तमिलों को एक आतंकवादी और आईएसआई एजेंट के तौर पर पेश किया है जिनका संबंध पाकिस्तान से है। प्रकाश जावड़ेकर को भेजे पत्र ने वाइको ने लिखा, 'इससे तमिल समुदाय के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंची है। यह तमिल संस्कृति के खिलाफ है और इससे तमिलों का अपमान हुआ है। तमिलनाडु के लोग इस सीरीज पर भारी आपत्ति जता रहे हैं और इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।'

एमडीएमके नेता और राज्यसभा सांसद वाइको ने प्रकाश जावड़ेकर को लिखी चिट्ठी

इस सीरिज पर भी हुआ था विवाद

इससे पहले भी नाम तमिलर कच्ची ने इस सीरीज पर बैन की मांग की थी। उनका कहना था कि इस सीरीज ने तमिलों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बुरे लोगों के रूप में पेश किया है और एलटीटीई को आतंकवादी कहा है। सीरीज का ट्रेलर जब रिलीज हुआ था तब सोशल मीडिया पर भी एक वर्ग ने इसका विरोध किया और इसके बैन की मांग की थी। लोगों का कहना है कि यह सीरीज तमिलों के खिलाफ है। लोगों ने समांथा अक्किनेनी की भी आलोचना की और उनके बहिष्कार की बात कही। आपको बता दें कि यह सीरीज राज और डीके द्वारा बनाई और निर्देशित की गई है। इसके पहले सीजन को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था और लोग दूसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे है। अमेजन प्राइम वीडियो की यह वेब सीरीज 4 जून को रिलीज हो रही है।

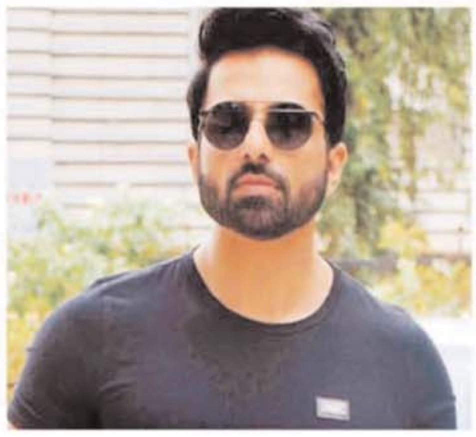

सोनू सूद से कोविड अस्पताल के जरूरी उपकरणों की मांगी मदद

कोरोना संकट के बीच लोगों की मदद करके चर्चा में आए फिल्म अभिनेता सोनू सूद को हाल ही में आर्मी के एक कमांडिंग ऑफिसर ने पत्र लिखा अधिकारी ने सूद से कोविड फैसिलिटीज मुहैया कराने की अपील की थी। 13 मई को लिखा गया यह खत सोशल मीडिया पर वायरल जो रहा है, जिसके बाद कमांडिंग ऑफिसर के सीनियर अधिकारियों ने नाराजगी जताई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह पत्र जैसलमेर, राजस्थान में तैनात एक इन्फेंट्री बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर ने लिखा था। इसमें अधिकारी ने हवाला दिया था कि जैसलमेर में आर्मी 200 बेड का कोविड केयर सेंटर बना रही है। साथ ही सेंटर के लिए जरूरी कुछ उपकरणों का जिक्र कर सोनू सूद से उन्हें मुहैया करने में मदद मांगी गई। इन उपकरणों में 4 आईसीयू बेड, 10 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, 10 जंबो ऑक्सीजन सिलेंडर, एक एक्स रे मशीन और दो 15 केवीए जनरेटर शामिल हैं। आर्मी के दिल्ली स्थित मुख्यालय के एक अधिकारी ने लेटर की पुष्टि की। हालांकि, उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है यह खत अति उत्साह में लिखा गया है। कोरोना के दौर में आर्मी लगातार लोगों की सेवा कर रही हैं। इसने कई राज्यों में सरकार की मदद करने के लिए कोविड केयर सेंटर शुरू किए हैं। 21 मई को राजस्थान के श्रीगंगानगर में भी 50 बेड का अस्पताल शुरू किया गया है।

खत सोशल मीडिया पर वायरल होने से अधिकारियों ने जाहिर की नाराजगी

सोनू सूद के दो ऑक्सीजन प्लांट्स पर काम शुरू

देश में ऑक्सीजन की किल्लत को देखते हुए सोनू सूद ने नई पहल शुरू की है। वे राज्यों में ऑक्सीजन प्लांट्स लगवा रहे हैं और इसकी शुरुआत उन्होंने आंध्र प्रदेश से की है। शनिवार को वहां कुरनूल के सरकारी अस्पताल और नेल्लोर के जिला अस्पताल में उनके दो ऑक्सीजन प्लांट का काम शुरू हो गया है। सोनू ने इसे लेकर कहा था, 'हेल्थ केयर वक्त की मांग है, खासकर ग्रामीण इलाकों में। मुझे लगता है कि ये प्लांट्स जरूरतमंद लोगों को बहादुरी के साथ कोविड-19 से लड़ने में मदद करेंगे। आंध्र प्रदेश के बाद हम जून और जुलाई के बीच दूसरे राज्यों में भी ऐसे प्लांट्स लगाएंगे। फिलहाल हम कई राज्यों में ऐसे हॉस्पिटल चिन्हित कर रहे है, जहां ऑक्सीजन की कमी है।'

खुलासा: सोना मोहापात्रा ने डॉक्यूमेंट्री बनाने में खर्च कर दी अपनी सेविंग्स

सिंगर सोना मोहापात्रा ने सोशल मीडिया पर अपनी मौजूदा फाइनेंशियल कंडीशन का खुलासा किया है। सोना ने बताया कि उनकी सारी सेविंग डॉक्यूमेंट्री 'शट अप सोना' बनाने में खर्च हो गई। उसके बाद महामारी ने सभी की आय के साधनों पर अंकुश लगा दिया। साथ ही उन्होंने अपनी एक मुस्कुराती हुई फोटो भी सोशल मीडिया पर शेयर की है। सोना ने लिखा है- दर्द आता ही है, यह पीड़ा भी वैकल्पिक है। जब भी मैं कर सकती हूं, खुश करती हूं। मेरी फिल्म शट अप सोना अभी दुनिया भर के स्थानों की यात्रा कर रही है और फिल्म फेस्टिवल्स में जीत रही है। मेरी सारी बचत इस फिल्म में चली गई। इसके बाद महामारी आ गई। और हमें बिना आय के साधन के हमारे ट्रैक को रोक दिया।

जीवन से जुड़ी बातों को किया साझा

बात सोना की डॉक्यूमेंट्री की करें तो इसका डायरेक्शन दीप्ति गुप्ता ने किया था। इसमें सोना के जीवन से जुड़ी बातों को बताया गया है। इसके लिए 300 घंटे की फुटेज, तीन साल की शूटिंग का समय लगा था, जिसके बाद शट अप सोना बनकर तैयार हुई। गौरतलब है कि सिंगर सोना मोहापात्रा ने मीटू मूवमेंट के दौरान अनु मलिक पर शोषण के आरोप लगाए थे, और वे तब से लगातार ही इस बारे में आवाज बुलंद करती रही है।

वरीना हुसैन अब साउथ इंडस्ट्री में रखेंगी कदम

बॉलीवुड अभिनेत्री वरीना हुसैन अपनी आगमी फिल्म 'द इन्कम्प्लीट मैन' की शूटिंग गोवा में कर रही हैं। इस प्रोजेक्ट को लेकर वरीना काफी व्यस्त हैं। वही एक खबर ये भी है कि वो बॉलीवुड के साथ साथ साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी कदम रखने जा रही हैं। अगर सूत्रों की मानें तो वरीना बहुत ही जल्द साउथ फिल्मों में नजर आएंगी। उन्होंने हालही में साउथ के एक बड़े प्रोडक्शन हाउस 'एन टी आर' प्रोडक्शन के साथ एक बिग बजट फिल्म के लिए हामी भरी है, जोकि उनके फैन्स के लिए खुशी की खबर है। सूत्रों की मानें तो वरीना गोवा की शूटिंग खत्म कर अगले महीने हैदराबाद जाएंगी। वरीना अपने शूटिंग के दौरान गोवा से कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए नजर आईं, देखिए कुछ तस्वीरें। वरीना हुसैन एक मांझी हुई कलाकार के साथ साथ काफी टैलेंटेड हैं, जिन्होंने अपने अभिनय की बदौलत सुर्खियां और प्रशंसा पाई है। वरीना ने फिल्म 'लव यात्री' से अपना डेब्यू किया था जिसे सलमान खान फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। अपनी डेब्यू फिल्म के बाद वरीना ने मशहूर रैपर बादशाह के साथ एक उबेर कूल गाना किया, जो एक इंस्टेंट चार्ट बस्टर था, तो वही दूसरी ओर वरीना ने सुपर हिट फ्रैंचाइजी 'दबंग 3' में सलमान खान के साथ एक स्पेशल नंबर 'मुन्ना बदनाम हुआ' भी किया है।

निर्माण कार्य एवं नाले की साफ-सफाई हेतु सीएमओ निकायों की कलेक्टर ने ली बैठक

नीरज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे

भिण्ड(ब्यूरो)। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने जिले के सभी नगर पालिका एवं नगर परिषद के सीएमओ की बैठक आज कलेक्टर कार्यालय भिण्ड के सभागार में ली। बैठक में सभी नगरीय निकायों के सीएमओ को निर्देशित किया कि वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए लंबित निर्माण कार्य एवं नाले एवं नालियों की साफ-सफाई कराऐं। बैठक में सहायक कलेक्टर केवी विवेक, संयुक्त कलेक्टर वरूण अवस्थी, एसडीएम भिण्ड उदयसिंह सिकरवार, जिले के सभी नगरीय निकायों के सीएमओ उपस्थित थे। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने जिले की सभी नगरीय निकायों की उनके यहां लंबित निर्माण कार्यों एवं नाले नालियों की साफ-सफाई की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने सभी सीएमओ से कहा कि वे अपने अपने नगर पालिका एवं नगर परिषद क्षेत्र में किये जा रहे निर्माण कार्यों, नाले नालियों की साफ-सफाई शीघ्र कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य अथवा साफ-सफाई की गतिविधियों से संबंधित जो कार्य किये जा रहे हैं, उनके फोटोग्राफ्स सहित वाट्सअप के माध्यम से भेजना सुनिश्चित करें। जिससे हो रहे कार्यों की जानकारी जनता को हो सके। उन्होंने कहा कि जिन नगरीय निकायों के क्षेत्रों में निर्माण कार्य लंबित पडे हैं, उन्हें शीघ्र चालू कराया जाए। इस दौरान उन्होंने कुछ ठेकेदारों से फोन पर बात कर शीघ्र कार्य शुरू कर समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरीय निकायों के सीएमओ से कहा कि जितने भी नाले नालियों की सफाई शेष रह गई है, उसे एक हफ्ते के अन्तर्गत पूर्ण कर वाट्सअप के माध्यम से फोटोग्राफ्स के साथ अवगत करायें। जिस किसी सीएमओ को अंतर्विभागीय अधिकारियों के सहयोग की आवश्यकता हो वे बताऐं और मेरे द्वारा डीओ लेटर लिखवाने की आवश्यकता है, उसे तत्काल तैयार कर मेरे समक्ष लाकर हस्ताक्षर कराना सुनिश्चित करें। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने कहा कि सभी नगरीय निकायों में मीडियम (डिवायडर) बने हुए हैं, उनकी रंगाई-पुताई कराऐं एवं जाली लगाने की आवश्यकता है, जाली लगाकर पेड-पौधे लगाना सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नगर परिषद में 5 बडे-छोटे कार्य, नगर पालिका में 10 बडे-छोटे कार्यों की मेरे द्वारा अगली बैठक में समीक्षा की जाएगी।

आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए आवश्यक तैयारी को लेकर बैठक हुई

नीरज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे

भिण्ड(ब्यूरो)। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने जिले की सभी नगरीय निकाय के सीएमओ को पत्र जारी कर कहा कि अगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने कहा कि वर्तमान समय में नगरीय क्षेत्रों में वारिस होने के कारण कई स्थानों पर जल भराव की स्थिति उत्पन्न हो गयी है, जिसके कारण आमजन को परेशानी हो रही है तथा आये दिन समाचार पत्रों एवं सोशल मीडिया के माध्यम से भी जल भराव की खबरे संज्ञान में आ रही हैं। यह स्थिति अत्यंत ही आपत्तिजनक है। उपरोक्त के संबंध में जल भराव की स्थिति का तत्काल समुचित निराकरण करायें, जिससे कि आमजन को कोई परेशानी उत्पन्न न हो। कलेक्टर ने जिले के सीएमओ नगरीय निकायों से कहा कि आगामी मानसून को दृष्टिगत रखते हुये नगरीय क्षेत्रों में वर्षा के कारण जल भराव या बाढ़ जैसी स्थितियों को रोकने एवं वर्षा ऋतु में नगर की सेवाओं /व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से बनाये रखने का दायित्व नगरीय निकायों का है। आगामी वर्षा ऋतु के दौरान नगरीय क्षेत्रों में किसी प्रकार की आपदा जल भराव की स्थिति निर्मित न हो, साथ ही आम नागरिकों को कोई परेशानी न हो, इस हेतु पूर्व से ही आवश्यक व्यवस्था करायी जाये। पिछले वर्ष की वर्षा ऋतु में जल भराव के स्थानों को भी चिन्हित किया जाये तथा वहां पानी के निकासी की समुचित कार्यवाही करायी जाये। साथ ही आगामी वर्षा ऋतु की आवश्यक तैयारियों के संबंध में मध्यप्रदेश शासन नगरीय विकास एवं आवास विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा जारी दिशा-निर्देशों को अवलोकन कर तदानुसार कार्यवाही करें। कलेक्टर ने जिले के समस्त नगरीय निकाय के सीएमओ से कहा कि, अपने-अपने नगरीय निकाय क्षेत्रान्तर्गत कहीं भी जल भराव की स्थिति उत्पन्न न हो, इस हेतु आवश्यक व्यवस्था तैयार करना सुनिश्चित करें। साथ ही समयावधि में नाले-नालियों की साफ-सफाई, अतिक्रमण तथा आउटलेट इत्यादि को दुरूस्त कराना सुनिश्चित करें, ताकि जल भराव की स्थिति कहीं भी उत्पन्न न हो।

सूंघकर कोविड-19 के इन्फेक्शन का पता लगा सकते हैं प्रशिक्षित कुत्ते: ब्रिटिश स्टडी

लंदन ■ एजेंसी

कोरोना वायरस संक्रमित लोगों के शरीर से अलग तरह की गंध आती है जिसका पता प्रशिक्षित कुत्ते सटीकता से लगा सकते हैं। यह दावा ब्रिटेन में हुए एक नए अनुसंधान में किया गया है। लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन ऐंड ट्रापिकल मेडिसीन (एलएसएचटीएम) ने यह अनुसंधान चैरिटी मेडिकल डिटेक्शन डॉग्स ऐंड टरहम यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर किया है। इसे अपनी तरह का पूर्ण अध्ययन करार दिया गया है जिसे कुत्तों के प्रशिक्षण, गंध विश्लेषण और मॉडलिंग के समावेश से किया गया है। अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि विशेष तरीके से प्रशिक्षित कुत्ते बीमारी को 94.3 प्रतिशत तक संवेदशनशीलता और 92 प्रतिशत सटीकता के साथ पता लगा लेते हैं।

पिछले सप्ताह प्रकाशित अनुंसधान पत्र के मुताबिक कुत्ते बिना लक्षण वाले व्यक्तियों में संक्रमण का पता लगाने के साथ-साथ कोरोना वायरस के प्रकार (स्ट्रेन) में भी अंतर करने में सक्षम हैं, इसके साथ ही वे संक्रमण के स्तर का भी आकलन कर सकते हैं। एलएचटीएम में रोग नियंत्रण विभाग के प्रमुख प्रफेसर जेम्स लोगन ने कहा, 'नए प्रकार के वायरस के देश में प्रवेश के खतरे के मद्देनजर उनकी जांच में कुछ समय के लिए बाधा उत्पन्न हो सकती है। ऐसे में ये कुत्ते अहम भूमिका निभा सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'अभी अध्ययन करने की जरूरत है ताकि पता लगाया जा सके कि वास्तविक माहौल में कुत्ते इन नतीजों को दोहरा सकते हैं या नहीं, लेकिन यह खोज बहुत उत्साहजनक है। इस तरीके के इस्तेमाल का फायदा यह होगा कि लोगों के बड़े समूह में अभूतपूर्व गति और सटीकता से बिना लक्षण वाले संक्रमित का पता लगाया जा सकेगा।' अनुसंधानकर्ताओं ने बताया कि कुत्तों को मेडिकल डिटेक्शन डॉग्स की टीम ने कोविड-19 की पहचान करने के लिए प्रशिक्षित किया। इस दौरान शरीर के गंध का इस्तेमाल किया गया जिसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) ने मास्क, मोजे और टी शर्ट के रूप में भेजा था। उन्होंने बताया कि एलएसएचटीएम की टीम ने इस प्रक्रिया में 3,758 नमूनों को एकत्र किया और जांच के लिए 325 संक्रमित और 675 संक्रमण मुक्त नमूनों को भेजा।

गोरखपुर: ब्लैक फंगस के साथ व्हाइट फंगस ने भी दी दस्तक

मिले तीन संदिग्ध मरीज

गोरखपुर ■ एजेंसी

ब्लैक फंगस के बढ़ते मामले के बीच व्हाइट फंगस ने भी जोरदार दस्तक दी है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में व्हाइट फंगस के लक्षण वाले तीन मरीज मिले हैं। तीनों मरीजों का इलाज कोविड वार्ड में ही चल रहा है। इसके बाद हड़कंप मच गया है। प्रारंभिक लक्षण मिलने के बाद अधिकारी सकते में आ गए हैं। मामले की तस्दीक के लिए तीनों मरीजों के नमूने कल्चर एंड सेंसटिविटी टेस्ट के लिए माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग भेजा गया है। इसकी रिपोर्ट 72 से 96 घंटे के बीच आएगी। कोरोना का संक्रमण कम हुआ तो जिले में एक पखवारे पूर्व ब्लैक फंगस ने दस्तक दी। ब्लैक फंगस के लक्षण वाले मरीजों का इलाज किसी तरह शुरू हुआ कि अब व्हाइट फंगस के लक्षण वाले मरीजों ने प्रशासन की मुसीबतें बढ़ा दी है। जिन तीन मरीजों शुरूआती व्हाइट फंगस के लक्षण मिले हैं। वह कोविड पॉजिटिव भी है। उनका इलाज कोविड वार्ड में चल भी रहा है। तीनों मरीज कोविड वार्ड के आईसीयू में हैं। तीनों में दो दिन पहले सफेद फंगस के लक्षण मिले। उनके थ्रोट स्वाब की जांच में कुछ फंगस ट्रेस हुए। इसके बाद इलाज कर रहे डॉक्टर अलर्ट हो गए। डॉक्टरों को

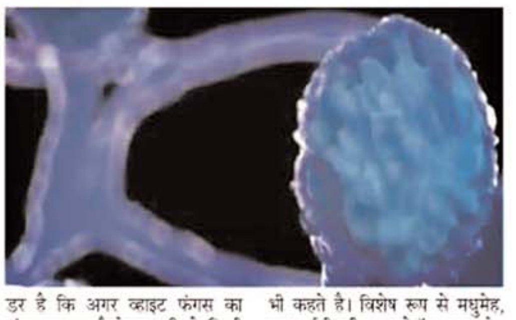

डर है कि अगर व्हाइट फंगस का संक्रमण बढ़ता है तो वह शरीर के किसी भी अंग को प्रभावित कर सकता है। यही वजह है कि एहतियात के तौर पर मरीजों की दवाएं भी शुरू कर दी गई है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबॉयोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. अमरेश सिंह ने बताया कि शुरूआती लक्षण में तो व्हाइट फंगस की बात सामने आई है। कल्चर एंड सेंसटिविटी जांच की जाएगी। इसके बाद बीमारी की पुष्टि हो सकेगी। इसमें तीन से चार दिक्त का वक्त लगेगा।

कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों को खतरा ज्यादा: डॉ अमरेश सिंह ने बताया कि कमजोर इम्युनिटी वाले को खतरा ज्यादा है। इस बीमारी को कैंडिडा भी कहते है। विशेष रूप से मधुमेह, एचआईवी मरीज या स्टेरॉयड का प्रयोग करने वाले मरीजों को खतरा ज्यादा होता है, जो खून के माध्यम से शरीर के हर अंग को प्रभावित करता है। ये बीमारी म्यूकॉरमाइसाइट्स नामक फफूंद से होती है जो नाक के माध्यम से बाकी अंग में पहुंचती है। ये फंगस हवा में होता है जो सांस के जरिए नाक में जाता है। इसके अलावा शरीर के कटे हुए अंग के संपर्क में अगर ये फंगस आता है तो ये संक्रमण हो जाता है।

ये हैं लक्षण

डाक्टर के अनुसार व्हाइट फंगस के लक्षणों में सिर में तेज दर्द, नाक बंद होना या नाक में पपड़ी सी जमना, उल्टियां, आंखें लाल होने के साथ सूजन आती है।

अगर ज्वाइंट पर इसका असर होता है तो जोड़ों पर तेज दर्द होता है। ब्रेन पर अगर इसका असर होता है तो व्यक्ति की सोचने समझने की क्षमता पर असर दिखता है। बोलने में भी समस्या होती है। इसके अलावा शरीर में छोटे-छोटे फोड़े जो सामान्य तौर पर दर्द रहित रहते हैं। ऐसे कोई भी लक्षण दिखने पर तुरंत डाक्टर से संपर्क करना चाहिए।

डॉ. जायसवाल बने इंचार्ज

कोविड के मरीजों के साथ ही बीआरडी में अब फंगस के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी है। ब्लैक फंगस के साथ ही व्हाइट फंगस के मामले भी बढ़ने लगे हैं। इसको देखते हुए बीआरडी प्रशासन ने फंगस के मरीजों के इलाज के लिए मल्टी डिस्प्लेनेरी टीम बना दी है। इसमें पांच विभागों के डॉक्टर शामिल है। इस टीम की कमान नेत्ररोग के विभागाध्यक्ष डॉ. रामकुमार जायसवाल को दी गई है। उन्होंने बताया कि व्हाइट फंगस के लक्षण वाले तीन मरीज मिले हैं। तीनों का इलाज बीआरडी में चल रहा है। बीआरडी में ब्लैक फंगस और व्हाइट फंगस के इलाज की सुविधा है।

असमाजिक तत्वों की उपद्रवी मंशा के चलते खंडहर में तब्दील हो रही हैं आंगनबाड़ी केंद्र

भीमसेन तोमर

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का कहना है कि कुछ असमाजिक तत्वों के दहशत, शराब पीकर गाली गलौज करने के डर से आंगनबाड़ी केंद्र होने के बावजूद भी लीज पर लेकर संचालित हो रही आंगनबाड़ी

थरा। केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के सहयोग से ग्रामीण स्तर एवं शहरी स्तर पर छोटे छोटे बच्चों को कुपोषण से मुक्ति, और खेल के साथ साथ शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से आंगनबाड़ी केंद्रों को संचालित किया जाता है। और उसके निर्माण कार्य में भी शासन का बहुत धन व्यय होता है। कि हमारे देश में कोई भी बच्चा, कुपोषित न हो। इसी उद्देश्य से आंगनबाड़ी केंद्रों को देश भर में संचालित किया जा रहा है। लेकिन थरा में कुछ असमाजिक तत्वों और उपद्रवी प्रवृत्ति के लोगों से कहीं झगड़ा न हो । मात्र इसी के चलते थरा आंगनबाड़ी केंद्र 79 सालों से बंद पड़ा है। । इस विषय पर जब आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रामबेटी माहौर से जानकारी ली तो उनका जवाब था कि जब आंगनवाड़ी बनकर तैयार हुई थी तब हमने उसमें केन्द्र को संचालित किया था लेकिन कुछ लोगों ने वहां आंगनबाड़ी केंद्र में रखे बच्चों के सामान को चुराने की कोशिश और शराब पीकर अभद्र व्यवहार किया जाता है। हमें असामाजिक तत्वों का दहशत लगा रहता कि वो कब शराब पीकर आकर बच्चों के सामने ही अभद्रता पूर्ण व्यवहार करने लगे इसी के चलते आंगनबाड़ी केंद्र पहले लीज पर और अब शासकीय स्कूल के एक खाली पड़े कमरे में संचालित किया जा रहा है।

रामगढ़: बेटी ने निभाया बेटे का धर्म, पिता की मृत्यु के बाद दी मुखाग्नि

रामगढ़ ■ एजेंसी

पैरालाइसिस से पीड़ित गिद्दी मेनगेट निवासी शिक्षक रमेश सिंह (52) के निधन के बाद सोमवार को उनकी सबसे छोटी बेटी पायल सिंह ने गिद्दी दामोदर नदी श्मशान घाट पर मुखाग्नि देकर समाज में एक मिसाल कायम की है। बेटी के मुखाग्नि दिए जाने का गवाह उनकी शव यात्रा में शामिल गिद्दी के दर्जन भर लोग बने। बेटी ने पिता को मुखाग्नि देकर बेटे का धर्म निभाया। घर में कोई भी पुरुष सदस्य नहीं होने के कारण आसपास के लोगों के सहयोग से दाह संस्कार की व्यवस्था की गई। कॉलोनी वासियों ने बताया कि शिक्षक रमेश सिंह बीते करीब डेढ़ वर्ष से पैरालाइसिस अटैक आने के बाद बेड पर थे।

रविवार की शाम करीब पौने सात बजे गिद्दी मेनगेट स्थित घर पर उनका निधन हो गया। रमेश सिंह की पांच बेटियां ही हैं। इसमें नीलम देवी, रेखा देवी, पिंकी देवी, काजल कुमारी व पायल कुमारी है। रमेश सिंह तीन बेटियों का विवाह कर चुके हैं, जबकि दो बेटियां कुंवारी हैं। उनकी मृत्यु के पश्चात रमेश सिंह को मुखाग्नि किससे दिलाया जाए, इसकी समस्या खड़ी हो गई। बाद में उनकी सबसे छोटी बेटी पायल सिंह ने अपने पिता को मुखाग्नि देने की बात कही। अंत में पूरे हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार उनका दाह संस्कार पुत्री ने गिद्दी दामोदर नदी श्मशान घाट पर किया।

इसके पूर्व गिद्दी मेन गेट स्थित उनके क्वार्टर से पायल सिंह अपने पिता की शव यात्रा में शामिल होकर गिद्दी श्मशान घाट पहुंची। रमेश सिंह के निधन के बाद पत्नी विमला देवी, पुत्री पिंकी देवी व पायल कुमारी का रो-रोकर बुरा हाल था।

टॉर्चर से तंग आकर थाने में महिला ने की आत्महत्या, पुलिसकर्मियों को किया सस्पेंड

नालंदा ■ एजेंसी

नालंदा जिले के रहुई थाना क्षेत्र में रविवार की रात बंदी महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजन का आरोप है कि थाने के बड़े साहब ने महिला को इतना टॉर्चर किया कि उसने आत्महत्या कर ली। रविवार को ही प्रेम-प्रसंग के मामले में महिला को गिरफ्तार कर रहुई थाने में रखा गया था। उसकी मौत की खबर मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कम्प मच गया। एसपी समेत कई वरीय अधिकारी व भारी संख्या में पुलिस के जवान थाना पहुंच गये।

मृतका सैदल्ली गांव निवासी रुदल यादव की पत्नी अंजू देवी थीं। एसपी हरि प्रसाथ एस ने लापरवाही के आरोप में ओडी प्रभारी, इस केस के आईओ व महिला संतरी को ससेंड कर दिया है। टॉर्चर करने के मामले में उन्होंने कहा कि इस बिन्दु पर जांच की जा रही है। जांच के बाद अन्य दोषियों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मानवाधिकार आयोग की गाइडलाइन के तहत फिलहाल तीन अधिकारियों पर कार्रवाई की गयी है।

दोनों तरफ से हुई थी एफआईआर

परिजनों के अनुसार महिला तीन बच्चों की मां थी। काफी समय से महिला का प्रेम-प्रसंग मई-फरीदा गांव निवासी लव कुमार से चल रहा था। महिला अपने प्रेमी के साथ फरार हो गयी थी। लव के परिजन ने 21 मई को बिहार थाने में अपहरण की एफआईआर करायी थी। 22 मई को महिला के पति ने रहुई थाने में पत्नी के अपहरण की एफआईआर करायी थी। रविवार को बिहार थाने की पुलिस ने प्रेमी जोड़े को पटना से बरामद किया था। उसके बाद महिला को रहुई थाना के सुपुर्द किया गया था।

हाजत के बजाय रखा गया था कमरे में

करोड़ों की लागत से रहुई थाना का भवन बनाया गया है, लेकिन अधिकारियों ने महिला हाजत को मालखाना बना दिया है। गिरफ्तारी के बाद महिला को एक कमरे में रखा गया था। महिला संतरी की ड्यूटी भी लगायी गयी थी। इसके बाद भी महिला ने अपने स्कॉर्फ से फंदा बनाकर फांसी लगा ली। पुलिस का दावा है कि आत्महत्या की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी है।

छावनी में तब्दील हुआ रहुई थाना

सोमवार की सुबह घटना की जानकारी मिलते ही रहुई थाना छावनी में तब्दील हो गया। एसपी, डीएसपी डॉ. शिब्ली नोमानी, संजय कुमार, बीडीओ विवेक कुमार, सीओ रंजीत कुमार के साथ बेना, भागन बिगहा, नूरसराय, गोखुलपुर, बिहार समेत कई थानों की पुलिस रहुई पहुंच गयी। शायद अधिकारियों को नगरनौसा की तरह हंगामे का अंदेशा था। सदर अस्पताल में भी पोस्टमार्टम के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम थे।

तीन छोटे बच्चों की बर्बाद हो गयी जिंदगी

मृतका के तीन छोटे बच्चे हैं। पति मजदूरी करता है। इन बच्चों की देखभाल अब कौन करेगा, यह बड़ा सवाल है। गलती किसी ने की और सजा इन्हें मिल रही है। इधर, यह सवाल भी हवा में तैर रहा है कि महिला को थाने की हाजत में क्यों नहीं रखा गया था।

क्यों की आत्महत्या

सबसे बड़ा सवाल यह कि महिला ने आत्महत्या क्यों की। शादी के बाद प्रेमी के साथ भागने वाली महिला इतनी कमजोर तो नहीं थी कि पुलिस के डर से आत्महत्या कर ले। तो फिर क्या वजह हुई कि उसने आत्महत्या कर ली। पुलिस तो सीसीटीवी में घटना कैद होने का दावा कर रही है। इधर, कई जनप्रतिनिधि खुलेआम आरोप लगा रहे हैं कि महिला को बुरी तरह टॉर्चर किया गया। इससे पहले रहुई बाजार में घर में घुसकर महिलाओं को पीटने के मामले में भी अधिकारियों की भूमिका संदेह के घेरे में है।

कोरोना काल — अमेरिका में गले लगाने को 200 डॉलर तक दे रहे लोग

कोरोना काल में गाय से मिल रही मानसिक शांति?

नईदिल्ली ■ ब्यूरो

कोरोना वायरस की दूसरी लहर के चलते इस समय देश और दुनिया का हाल बेहाल है। लोग लगातार जान गंवा रहे हैं और संक्रमण से बचाव के लिए लॉकडाउन में लोग घरों में कैद से हो गए हैं। ऐसे में डिप्रेशन और एंग्जायटी की समस्या भी आम होती जा रही है। लोग अपने-अपने तरीकों से इससे पार पाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अमेरिका और यूरोप में इसके लिए अनोखी तरकीब निकाली गई है। लोग मानसिक शांति के लिए काउ हगिंग यानी गाय को गले लगा रहे हैं। इसके लिए वे 200 डॉलर तक का भुगतान कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता मिलिंद देवरा ने सीएनबीसी का एक वीडियो शेयर करके कहा है कि अमेरिका में लोग

गाय को गले लगाने के लिए एक घंटे का 200 डॉलर तक का भुगतान कर रहे हैं। उन्होंने लिखा कि साफ है कि भारत इसमें आगे है। यहां गायों को 3000 सालों से पूजा जा रहा है। इसका कारण बताया गया है कि गाय को गले लगाने से न केवल तनाव से राहत मिलती है बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिहाज से किसी पालतू जानवर का साथ बहुत फायदेमंद है। वैसे, भारत में गाय को सहलाने और गले लगाने की परंपरा काफी पुरानी है। अब दुनिया में यह ट्रेंड बढ़ रहा है।

तनाव हार्मोन को घटाता है

डॉक्टरों का कहना है कि गाय को गले लगाने का एहसास घर पर एक बच्चे या पालतू जानवर को पालने के समान है। एक हग हैप्पी हार्मोन ऑक्सीटोसिन, सेरोटोनिन और डोपामाइन को ट्रिगर करता है, जो कोर्टिसोल (तनाव हार्मोन) को कम करता है। ये तनाव के स्तर, चिंता और अवसाद के लक्षणों को कम करता है।

इम्यूनिटी को रेगुलेट करता है 'काउ हग'

गाय स्वभाव से शांत, कोमल और धैर्यवान होती हैं और गले लगाने वालों को जानवर उसके गर्म शरीर के तापमान, धीमी गति से दिल की धड़कन और बड़े आकार से फायदा होता है। यह सब शरीर के मेटाबोलिज्म, इम्यूनिटी और तनाव प्रतिक्रिया को रेगुलेट करने में मदद करता है।

टीका आपूर्ति विवाद मामले में एस्ट्राजेनेका के खिलाफ अदालती आदेश की तैयारी में यूरोपीय संघ

ब्रसेल्स ■ एजेंसी

यूरोपीय संघ टीके की आपूर्ति को लेकर महीनों से जारी विवाद में अब दवा निर्माता कंपनी एस्ट्राजेनेका के खिलाफ अदालत का सहारा लेगा एस्ट्राजेनेका पर कोविड-19 टीके की तय खुराकें देने में नाकाम रहने का आरोप लगाते हुए यूरोपीय संघ की कार्यकारी शाखा ब्रसेल्स की अदालत के समक्ष बुधवार को दवा कंपनी को बाकी बची खुराकों की तत्काल आपूर्ति के लिए आदेश जारी करने का अनुरोध करेगी। सत्ताइस सदस्यीय यूरोपीय संघ के साथ कंपनी एस्ट्राजेनेका ने शुरूआती दौर में टीके की 30 करोड़ खुराकों की आपूर्ति को लेकर समझौते पर हस्ताक्षर किए थे जो सभी सदस्यों के बीच वितरित होनी थीं। इसके साथ ही आने वाले समय में 10 करोड़ और खुराकों का विकल्प भी रखा गया था।

टीके की ये खुराकें वर्ष 2021 के दौरान दी जानी थीं लेकिन पहली तिमाही में केवल तीन करोड़ खुराकें ही उपलब्ध कराई गईं।

यूरोपीय संघ के मुताबिक, कंपनी ने दूसरी तिमाही में केवल सात करोड़ खुराकों की आपूर्ति की है जबकि उसने 18 करोड़ खुराक देने का वादा किया था।

एक तरफ जहां संघ ने एस्ट्राजेनेका पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया है, वहीं कंपनी का कहना है कि वह पूरी तरह समझौते को लेकर बाध्यकारी है। हालांकि, कंपनी का तर्क है कि टीका उत्पादन एक जटिल प्रक्रिया है और उसने समय पर टीके की खुराकों की आपूर्ति करने का प्रयास किया।

न्यूज. ब्रीफ

हॉकी इंडिया के पैनल में 126 नए अंपायर और तकनीकी अधिकारी शामिल

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने अपने पैनल में 126 नए अंपायर और तकनीकी अधिकारी शामिल किए है, जो सब जूनियर और जूनियर वर्गों में होने वाले घरेलू टूर्नामेंटों में अपनी सेवाएं देने के पात्र होंगे। अंपायर और तकनीकी अधिकारियों (जजों) का चयन सितंबर 2020 से इस साल मार्च तक दो चरण की ऑनलाइन कार्यशालाओं के बाद किया गया। इस लिस्ट में कुल 60 जज (21 महिला और 39 पुरुष) तथा 66 अंपायर (16 महिला और 50 पुरुष) जोड़े गए है। चयनित उम्मीद्वार हॉकी इंडिया से मान्यता प्राप्त सब जूनियर और जूनियर वर्ग के टूर्नामेंटों के लिए नियुक्ति के पात्र बन गए है। उनके पास एशियाई हॉकी महासंघ की वर्तमान ऑनलाइन शिक्षा कार्यशाला में हिस्सा लेने का मौका भी होगा। इन 126 उम्मीद्वारों का चयन उन 227 प्रतिभागियों में से किया गया, जिन्हें हॉकी इंडिया ने शुरूआती लिस्ट में चुना था।

मैनचेस्टर सिटी ने जीत के साथ मनाया खिताबी जश्न, शान से अपने नाम की ईपीएल की ट्रॉफी

मैनचेस्टर। इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) का खिताब पहले ही अपने नाम कर चुकी मैनचेस्टर सिटी ने सत्र के अंतिम मैच का समापन भी रविवार को जीत के साथ किया। एवर्टन के खिलाफ सिटी ने शानदार अंदाज में खेलते हुए 5-0 से मैच अपने नाम किया जिसके बाद सभी खिलाडियों ने ट्रॉफी के साथ जश्न मनाया। मैच के पहले हाफ की शुरूआत के 11वें मिनट में केविन डि ब्रुन ने पहला गोल दागा। इसके ठीक तीन मिनट बाद रहीम स्टर्लिंग ने दूसरा गोल किया। हालांकि 37वें मिनट में एवर्टन को वापसी के लिए पेनाल्टी मिली थी लेकिन सिटी के गोलकीपर एडर्सन ने शानदार बचाव किया। दूसरे हाफ के 53वें मिनट में फिल फुडेन ने गोल किया जबकि उसके बाद सिटी के सर्जियो अगुएरो ने 71वें और 76वें मिनट में दो गोल मारकर लीग के इस सत्र का शानदार अंदाज मे समापन किया।

कोविड-19 पॉजिटिव महान धावक मिल्खा सिंह अस्पताल में हुए भर्ती, हालत स्थिर

चंडीगढ़। भारत के महान धावक मिल्खा सिंह को सोमवार को अस्पताल मे भर्ती कराया गया जो कोविड-19 पॉजिटिव आने के बाद अपने घर में क्वारंटाइन में थे। उनके बेटे और शीर्ष गोल्फर जीव मिल्खा सिंह ने कहा कि एहतियात के तौर पर उन्हें मोहाली मे फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया। 91 साल के मिल्खा सिंह को बुधवार को कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया था, जिसके बाद वह चंडीगढ़ मे अपने घर मे क्वारंटाइन में थे। अस्पताल के सूत्रो ने कहा कि मिल्खा की हालत स्थिर है। जीव ने पीटीआई से कहा, 'उन्हें अस्पताल मे भर्ती किया गया है। वह कमजोरी महसूस कर रहे थे और कल से कुछ नहीं खा रहे थे, इसलिए हमें उन्हें अस्पताल मे भर्ती कराना पड़ा। हालांकि उनके पैरामीटर(स्वास्थ्य संबधित मापदड) ठीक दिख रहे है, लेकिन हमने सोचा कि उन्हें भर्ती करना ही सुरक्षित होगा क्योंकि अस्पताल मे वह सीनियर डॉक्टरो की निगरानी में रहेगे।'

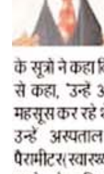

पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरूद्दीन ने अपने ऐतिहासिक बल्ले को फिर पकड़ा

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरूद्दीन ने अपने ऐतिहासिक बल्ले को फिर पकड़ा जिससे उन्होंने अपने पहले तीन टेस्ट मैचो मे शतक जड़ा था। अजहरूद्दीन एकमात्र ऐसे बल्लेबाज है जिन्होंने पहले तीन टेस्ट मैचों में शतक जड़ा है। अजरूद्दीन ने बल्ले को पकडे अपनी तस्वीर ट्वीट कर लिखा, इस बल्ले से मैने 1984-85 मे इंग्लैड के खिलाफ अपने पहले तीन टेस्ट मे शतक जड़ विश्व रिकॉर्ड बनाया था। उस सीजन मे मैने इस बल्ले से 800 से ज्यादा रन बनाए थे और इसका चयन मेरे दादाजी ने किया था। पूर्व बल्लेबाज ने भारत के लिए 99 टेस्ट खेले जिसमे 47 टेस्ट मैचों मे कप्तानी की। 58 वर्षीय अजहरूद्दीन ने इसके साथ ही 1992 विश्व कप मे पहनी भारतीय जर्सी को भी पहना। अजहरूद्दीन ने सुनील गावस्कर की कप्तानी मे दिसंबर 1984 मे इंग्लैड के खिलाफ कोलकाता में हुए तीसरे टेस्ट से डेब्यू किया था। अपने पहले टेस्ट की पहली पारी मे उन्होंने 110, चेन्नई में हुए चौथे टेस्ट की पहली पारी मे 48 और दूसरी पारी मे 105 रन बनाए थे। इसके बाद कानपुर मे हुए पांचवे टेस्ट की पहली पारी में 122 रन और दूसरी पारी मे नाबाद 54 रन बनाए थे। भारत और इंग्लैड के बीच तीसरा और पांचवां टेस्ट ड्रॉ रहा था जबकि चौथा मैच इंग्लैड ने जीता था।

फ्रेंच ओपन क्वालीफायर : पहले दौर में मकोरका से भिड़ेंगे नागल

पेरिस। भारत के दिग्गज टेनिस खिलाडी सुमित नागल का सामना मंगलवार को फ्रेंच ओपन क्वालीफायर के पहले दौर मे इटली के रॉबर्टो मैकोरका से होगा। नागल फिलहाल दुनिया के 142वें नम्बर के खिलाड़ी है और उनका सामना पहली बार मकोरका (191वी रैकिंग) से होगा। भारतीय ने इस सीजन मे एटीपी टूर पर दो जीते और पांच मैच गंवाए है। वह 2020 मे यूएस ओपन के दूसरे दौर के लिए क्वालीफाई करने के बाद इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले दौर मे हार गए थे। झज्जर में जन्मे इस खिलाड़ी को अभी रोला गैरो मे मुख्य दौर में जगह बनाना बाकी है। प्रजनेश गुणेश्वरन, जो 149वें स्थान पर हैं, जर्मनी के ऑस्कर ओट्टे (152वे स्थान पर) से भिड़ेंगे, जबकि रामकुमार रामनाथन, जो वर्तमान मे 215वें स्थान पर है, अमेरिका के माइकल मोमोह (168वें स्थान) के खिलाफ अभियान की शुरूआत करेंगे।

खिलाड़ियों को भुगतान में फिसड्डी सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई ने अब तक नहीं दिया रणजी ट्रॉफी का मुआवजा

बीसीसीआई ने 87 साल में पहली बार पिछले सीजन में रणजी ट्रॉफी का आयोजन रद्द कर दिया था

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और खिलाड़ियों के वेतन पर इन दिनों कुछ न कुछ बवाल हो ही रहा है, जिससे बोर्ड पर सवाल उठ रहे हैं. पहले तो महिला क्रिकेट टीम के सालाना करार का ऐलान किया गया, जिसने एक बार फिर महिला और पुरुष खिलाड़ियों के वेतन में भारी अंतर की बहस को ताजा कर दिया. फिर युनाइटेड किंगडम के एक अखबार में महिला खिलाड़ियों को वर्ल्ड कप 2020 की इनामी राशि के भुगतान न होने का खुलासा हुआ. अब नई जानकारी के मुताबिक, बोर्ड ने अभी तक रणजी ट्रॉफी के पिछले सीजन के रद्द होने की एवज में खिलाड़ियों को कोई मुआवजा नहीं दिया है. हालांकि, बोर्ड ने कहा है कि इसका कारण राज्य संघों की ओर से जानकारी उपलब्ध नहीं करवाना है. कोरोनावायरस के कारण भारत का पिछला घरेलू क्रिकेट सीजन पूरी तरह आयोजित नहीं किया गया था. देश में महामारी की स्थिति को देखते हुए बीसीसीआई ने सिर्फ सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट और विजय हजारे ट्रॉफी का आयोजन किया था. भारत के फर्स्ट क्लास टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी को 87 साल में पहली बार रद्द करना पड़ा था. ऐसे में बोर्ड ने वादा किया था कि खिलाड़ियों को इसके बदले उचित मुआवजा दिया जाएगा.

राज्यों की ओर से नहीं मिली जानकारी

बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष अरुण धूमल ने सोमवार 24 मई को बताया कि रणजी ट्रॉफी सीजन रद्द होने के बदले में खिलाड़ियों को भुगतान नहीं हुआ है. उन्होंने बताया कि राज्य संघों की ओर से उन्हें जानकारी नहीं मिली है और सभी के लिये एक स्वीकार्य फॉर्मूला तैयार करना इतना आसान और सीधा नहीं है. बीसीसीआई कोषाध्यक्ष ने समाचार एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए कहा, ''हमें राज्यों से चर्चा करनी होगी क्योंकि उन्हें ही हमें बताना होगा कि कौन से खिलाड़ी खेलते और कितने मैच खेलते और कौन रिजर्व खिलाड़ी होते. किसी भी राज्य ने मुआवजे पैकेज के लिये कोई प्रस्ताव नहीं भेजा है.''

लॉकडाउन के कारण भुगतान में देरी की दलील

हालांकि, भारतीय पुरुष टीम और महिला टीम समेत कई अन्य मामलों में भुगतान में हो रही देरी के लिए फिलहाल कोरोनावायरस को भी जिम्मेदार बताया जा रहा है. बोर्ड ने दलील दी है कि पिछले अप्रैल के बाद से ही महामारी और लॉकडाउन के चलते मुंबई में उसका मुख्यालय बंद है, जिसके चलते वे भुगतान नहीं कर पा रहे हैं. हालांकि, महिला क्रिकेट टीम को वर्ल्ड कप की कमाई के भुगतान का भरोसा बोर्ड ने दिलाया है, जो इस सप्ताह के अंत तक हो जाने की उम्मीद है.

करीब 700 खिलाड़ियों के पास अच्छी कमाई का विकल्प नहीं

बीसीसीआई से जुड़े 73 अनकैप्ड भारतीय घरेलू खिलाड़ी आईपीएल 2021 में अलग-अलग टीमों से जुड़े थे और उन्हें 20 लाख से 10 करोड़ रुपये तक की फीस मिल रही थी. लेकिन इनसे अलग करीब 700 खिलाड़ियों के पास इस लीग के जरिए अच्छी कमाई का विकल्प नहीं है. इन खिलाड़ियों को एक पूरे घरेलू सीजन में करीब 10 लाख रुपये से 20 लाख रुपये तक की कमाई हो जाती है. हालांकि, रणजी ट्रॉफी के न होने के कारण ये कमाई आधी से भी कम रह जाती है, क्योंकि ज्यादातर राशि रणजी ट्रॉफी से आती है. एक रणजी ट्रॉफी मैच के लिए खिलाड़ियों को 1.40 लाख रुपए फीस मिलती है. बीसीसीआई के एक पूर्व और राज्य इकाई के अनुभवी अधिकारी ने कहा, ''कोषाध्यक्ष सही है. बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने मुआवजे की घोषणा की थी लेकिन यह कैसे निर्धारित करोगे कि कौन सा खिलाड़ी सत्र में आठ या 10 मैच खेलता? रिजर्व खिलाड़ियों को आधी राशि मिलेगी तो आप इसकी गणना कैसे करोगे? आप हर खिलाड़ी को एक समान राशि नहीं दे सकते. राज्यों को एकमुश्त राशि देना एक विकल्प है लेकिन आप राज्यों पर निगरानी कैसे रखोगे?'' खिलाड़ियों के लिए रणजी ट्रॉफी के मुआवजे के अलावा गॉस रेवेन्यू शेयर का न मिलना भी एक समस्या है और ये 2016-17 सीजन के बाद से अभी तक नहीं मिला है. असल में बीसीसीआई हमेशा अपने टीवी प्रसारण राजस्व से घरेलू क्रिकेटरों को कुछ हिस्सा देता है और यह सामान्य तौर पर सितंबर में सालाना खातों के निपटारे के बाद मिल जाता है.

कप्तान कोहली और कोच समेत ये सभी खिलाड़ी आज जुड़ेंगे टीम के साथ, बायो बबल में लेंगे इंट्री

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन के बीच में ही स्थगित किए जाने के बाद भारतीय टीम के खिलाड़ी अपने अपने घर लौट गए थे। टूर्नामेंट को टीम बबल के अंदर खिलाड़ियों के कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने का फैसला लिया गया था।

टीम इंडिया अगले महीने इंग्लैंड रवाना होने वाली है इससे पहले कप्तान विराट कोहली और कोच रवि शास्त्री समेत कई खिलाड़ी टीम बायो बबल में प्रवेश करेंगे। भारतीय टीम को अगले महीने इंग्लैंड में न्यूजीलैंड के साथ आइसीसी के पहले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में खेलना है। यह मैच 18 से 22 जून को साउथैम्पटन में खेला जाना है। इसके बाद टीम को मेजबान इंग्लैंड के साथ अगस्त-सितंबर में 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलना है। इस लंबे दौरे के लिए रवाना होने से पहले टीम इंडिया के सभी खिलाड़ी बायो बबल में रहेंगे। मुंबई में कुछ खिलाड़ी पहले ही होटल में क्वारंटीन किए जा चुके हैं। बाकी खिलाड़ी जो मुंबई में ही रहते हैं उनको घर पर क्वारंटाइन किया गया था। मुंबई में रहने वाले भारतीय कप्तान विराट कोहली, उप कप्तान अजिंक्य रहाणे, ओपनर रोहित शर्मा, केएल राहुल और कोच रवि शास्त्री अब तक घर पर ही क्वारंटीन थे। ये सभी टीम बबल में प्रवेश करेंगे। भारतीय टीम को 2 जून को इंग्लैंड रवाना होना है। वहां पहुंचने के बाद तीन दिन होटल में क्वारंटीन होना होगा इसके बाद सभी प्रैक्टिस कर पाएंगे। पहले कोरोना प्रटोकॉल के मुताबिक 10 दिन होटल में रहना जरूरी था लेकिन बीसीसीआई की विशेष मांग के बाद इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने खिलाड़ियों को यह छूट दी है।

एशियाई मुक्केबाजी आज से

मुकाबले में भारत के 7 पदक पहले ही पक्के

दुबई ■ एजेंसी

एएसबीसी एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2021 का आज से दुबई में आगाज हो रहा है और राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन पहले दिन सोमवार को भारतीय चुनौती का आगाज करेंगे। दुबई में रविवार को इस 4,00,000 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाले इवेंट के लिए ड्रॉ निकाला गया। ड्रॉ निकलने के साथ ही भारत के खाते में कम से सात कांस्य पदक पक्के हो गए क्योंकि महिला वर्ग में सात मुक्केबाजों को सीधे सेमीफाइनल में उतरना है।

छह बार की विश्व चैम्पियन एमसी मैरी कॉम (51 किग्रा), लालबुतसाई (64 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (69 किग्रा), पूजा रानी (75 किग्रा), मोनिका (48 किग्रा), स्वीटी (81 किग्रा) और अनुपमा (प्लस 81 किग्रा) सहित सात भारतीय महिला मुक्केबाज सेमीफाइनल चरण से अपने अभियान की शुरूआत करेंगी।

इसी तरह पुरुषों के वर्ग में छह मुक्केबाज क्वार्टर फाइनल से शुरूआत करेंगे, जिनमें अमित पंघल (52 किलो ग्राम), वरिंदर सिंह (60 किग्रा), विकास कृष्ण (69 किग्रा), आशीष कुमार (75 किग्रा), संजीत (91 किग्रा) और नरेंद्र शामिल हैं। ये सभी अगर अपना एक मुकाबला जीत लेते हैं तो इनके नाम भी कम से कम कांस्य पदक पक्का हो जाएगा।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) और यूएई बॉक्सिंग फेडरेशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किए जा रहे इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में पुरुषों को उनकी महिला समकक्षों की तुलना में अपेक्षाकृत कठिन ड्रॉ दिया गया है। हुसामुद्दीन के अलावा 2013 में आयोजित एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले शिव थापा (64 किग्रा) और सुमित सांगवान (81 किग्रा) भी पहले दिन अपने अभियान की शुरूआत करेंगे।

मौजूदा चैंपियन अमित पंघल को पहले दौर में बाई मिला है। वह उन छह भारतीय पुरुषों में शामिल हैं जो अंतिम-8 से शुरूआत करेंगे। पंघल के अंतिम-8 दौर में मंगोलिया के एनखमनदाख खरख्रू के खिलाफ भिड़ने की उम्मीद है। यह जोड़ी आखिरी बार जॉर्डन में ओलंपिक क्वालीफायर में भिड़ी थी, जहां, दोनों के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ था। पंघन ने हालांकि वह मुकाबला अपने नाम किया था। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके एक अन्य भारतीय मुक्केबाज आशीष कुमार (75 किग्रा), जिन्हें पहले दौर में बाई मिला है को विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाले कजाकिस्तान के अबिलखान अमानकुल से चुनौती मिलने की उम्मीद है। इसी तरह नरेंद्र (प्लस 91 किग्रा) वर्ग में पहले दौर में दो बार विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीत चुके कजाखस्तान के कामशीबेक कुंकाबायेव से भिड़ेंगे। शुरूआत में इस टूर्नामेंट में 27 से अधिक देशों की भागीदारी की उम्मीद थी। लेकिन कोरोना के कारण हाल ही में लगाए गए यात्रा प्रतिबंधों की वजह से हालांकि कुछ देश इसमें भाग नहीं ले सके। इस टूर्नामेंट में भारत, उज्बेकिस्तान, फिलीपींस और कजाकिस्तान जैसे मजबूत मुक्केबाजी देशों सहित 17 देशों के 150 मुक्केबाज अपनी श्रेष्ठता साबित करने का प्रयास करेंगे। 2021 एशियाई चैंपियनशिप के मैच सोमवार से शुरू होंगे। 2019 में बैंकॉक में आयोजित हुए इस चैंपियनशिप के पिछले संस्करण में भारतीय टीम ने दो स्वर्ण सहित 13 पदक जीते थे।

भारतीय टीम इस प्रकार है :

पुरुष : अमित पंघल (52 किग्रा), मोहम्मद हुसामुद्दीन (56 किग्रा), वरिंदर सिंह (60 किग्रा), शिव थापा (64 किग्रा), विकास कृष्ण (69 किग्रा), आशीष कुमार (75 किग्रा), सुमित सांगवान (81 किग्रा), संजीत (91 किग्रा) और नरेंद्र (प्लस 91 किग्रा)।

महिला : मोनिका (48 किग्रा), एमसी मैरी कॉम (51 किग्रा), साक्षी (54 किग्रा), जैस्मीन (57 किग्रा), सिमरनजीत कौर (60 किग्रा), लालबुतसाई (64 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (69 किग्रा), पूजा रानी (75 किग्रा), स्वीटी (81 किग्रा) और अनुपमा (प्लस 81 किग्रा)।

द. अफ्रीका सीरीज से पहले विंडीज कैंप में सामने आया कोरोना का मामला

सेंट लूसिया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अगले महीने होने वाली अंतरराष्ट्रीय सीरीज की तैयारी कर रही वेस्टइंडीज की टीम यहां हाई-परफॉर्मेंस कैंप में अनकैप्ड तेज गेंदबाज मार्क्विनो मिंडले के कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए जाने के बाद कोविड-19 के कारण मुश्किल में घिर गई है। 26 वर्षीय जमैकन अपने होटल के कमरे में खुद को आइसोलेट कर लेगा। क्रिकेट वेस्टइंडीज की मेडिकल टीम उन पर नजर रखेगी और जब तक वह एक के बाद एक नेगेटिव रिपोर्ट के साथ नहीं लौटाते, तब तक उन्हें फिर से जुड़ने की अनुमति दी जाएगी। खिलाड़ियों और कोचों सहित टीम के बाकी सदस्यों ने का कई बार टेस्ट कियागया लेकिन सभी के परिणाम नेगेटिव आए हैं। तीन सप्ताह तक चलने वाला यह शिविर 16 मई को शुरू हुआ था। दक्षिण अफ्रीका दो टेस्ट मैचों और पांच टी20 मैचों के लिए वेस्टइंडीज का दौरा करेगा। टेस्ट सीरीज 10 जून से शुरू होगी और आखिरी टी20 मैच 23 जुलाई को खेला जाएगा। दोनों टेस्ट मैच सेंट लूसिया में खेले जाएंगे जबकि टी20 मैच ग्रेनाडा में खेले जाएंगे। क्रिकेट वेस्टइंडीज के एक बयान में कहा गया है, अब तक वेस्टइंडीज के पुरुष टीम और कोचिंग स्टाफ के 43 सदस्यों को वैक्सीन लग चुका है।

सराफा बाजार से इतना सस्ता है मोदी सरकार का सोना, 28 मई तक सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड खरीदने का आपके पास है गोल्डेन चांस

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

अगर आप सराफा बाजार से भी सस्ता और शुद्ध सोना खरीदना चाहते हैं तो आपके पास 28 मई तक सुनहरा मौका है। मोदी सरकार सस्ता सोना बेच रही है वह भी 500 रुपये प्रति 10 ग्राम की छूट के साथ। हालांकि यह सोना आपको फिजिकल रूप में नहीं, बल्कि बॉन्ड के रूप में मिलेगा। सरकार ने सोने की कीमत भी तय कर दी है और अगर आज के रेट से तुलना करें तो अभी छूट के साथ 633 रुपये सस्ता पड़ रहा है।

आज सुबह 24 कैरेट सोना 48690 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुला। बता दें सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड मई से लेकर सितम्बर के बीच छह किस्तों में जारी किए जाएंगे। वित्त वर्ष 2021-22 के लिए सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की पहली बिक्री 17 से 21 मई तक चली और अब दूसरी किस्त 24 मई से 28 मई के बीच खुलेगी। सरकार ने सरकारी स्वर्ण बांड की दूसरी श्रृंखला के तहत निर्गम मूल्य 4,842 रुपये प्रति ग्राम तय किया है। बांड खरीदने के लिए 24 मई से 28 मई के बीच खुलेगा, जबकि निर्गम जारी की तिथि एक जून है। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, ''सरकारी स्वर्ण बांड 2021-22 अभिदान के लिये 24 मई से 28 मई के बीच खुलेगा। इसके लिये निर्गम मूल्य 4,842 रुपये प्रति ग्राम तय किया है।

स्वर्ण बांड के लिये निर्गम जारी करने की तिथि एक जून, 2021 तय की गयी है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने 12 मई, 2021 को अधिसूचना जारी कर सरकारी स्वर्ण बांड योजना 2021-22 श्रृंखला 1, 2, 3, 4, 5, 6 की घोषणा की थी। इसमें पहली श्रृंखला अभिदान के लिये 17 से 21 मई, 2021 तक खुली थी।

बयान के अनुसार सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक के साथ परामर्श से ऑनलाइन आवेदन करने वाले और डिजिटल तरीके से भुगतान करने वाले निवेशकों को निर्गम मूल्य पर 50 रुपये प्रति ग्राम छूट देने का फैसला लिया है। ऐसे निवेशकों के लिए गोल्ड बॉन्ड का निर्गम मूल्य 4,792 रुपये प्रति ग्राम होगा। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम में एक वित्तीय वर्ष में एक व्यक्ति अधिकतम 500 ग्राम सोने के बॉन्ड खरीद सकता है।

स्मिथ का फिर से कप्तान बनना मुश्किल, पीछा नहीं छोड़ेगी बॉल टेंपरिंग केस ; पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर का बड़ा बयान

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर का मानना है कि 2018 में हुआ गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण कभी पूरी तरह नहीं दबेगा और हाल में इसे लेकर दोबारा सुर्खियां बटोरने से स्टीव स्मिथ की दोबारा टेस्ट कप्तानी हासिल करने की संभावनाओं को नुकसान पहुंचेगा। गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण में भूमिका के लिए स्मिथ को कप्तानी से बर्खास्त कर दिया गया था और उन पर एक साल का प्रतिबंध लगाया गया था। उन्होंने हाल में दोबारा ऑस्ट्रेलिया की कमान संभालने की इच्छा जताई थी और मौजूदा टेस्ट कप्तान टिम पेन ने भी इसका समर्थन किया था। हालांकि, यह मामला हाल में फिर से सुर्खियों में आ गया है। टेलर ने कहा, 'इसमें कोई संदेह नहीं कि इससे स्मिथ की संभावनाओं को नुकसान पहुंचेगा क्योंकि मुझे यकीन है कि खेल से जुड़े अधिकतर लोग चाहेंगे कि यह मामला खत्म हो जाए, लेकिन यह ऐसे ही खत्म नहीं होगा। इसमें कोई संदेह नहीं कि स्मिथ के संभावित कप्तान होने को लेकर माहौल बन रहा है, इसमें संदेह की कोई बात नहीं है।' उस सीरीज के दौरान ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा रहे पैट कमिंस, जोस हेजलवुड, मिशेल स्टार्क और ऑफ स्पिनर नाथन लियान ने हाल में संयुक्त बयान जारी करके उस प्रकरण के संदर्भ में अटकलबाजियों पर विराम लगाने की मांग की थी। टेलर ने भी ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी चौकड़ी का समर्थन किया। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क ने मामले की जांच सही से नहीं करने और इसे दबाने के प्रयास लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) की आलोचना की थी।

कोरोना काल

फ्री में घर पर पहुंचा रहे ये सुविधा, जरूरतमंद करें मैसेज

वीरेंद्र सहवाग कोरोना पीड़ितों की कर रहे सेवा

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

भारत इस वक्त कोरोना महामारी से जंग कर रहा है। दूसरी लहर में पूरे भारत में कोरोना संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या एक दिन में 4 लाख को पार कर गई थी। इस मुश्किल वक्त में भारत के तमाम लोगों ने अपने अपने तरह से संक्रमितों के लिए सहायता का हाथ बढ़ाया। पूर्व भारतीय ओपनर वीरेंद्र सहवाग भी इस वक्त कोरोना संक्रमितों की मदद कर रहे हैं। उन्होंने घर घर खाना पहुंचवाने की बीड़ा उठाया है और वो भी फ्री। भारत की तरफ से पारी की तूफानी पारी की शुरूआत करने वाले सहवाग इन दिनों किसी और वजह से चर्चा में हैं। इस दिग्गज बल्लेबाज ने कोरोना से संक्रमित हुए लोगों को घर पर खाना पहुंचवाने का बीड़ा उठाया है। इसके अलावा वह दिल्ली में मौजूद कोविड केयर सेंटर में भी फ्री खाना पहुंचवा रहे हैं। वह उन लोगों तक यह सुविधा पहुंचा रहे हैं जो संक्रमित होने की वजह से मुश्किलों का सामना कर रहे हैं।

सहवाग ने सोमवार दोपहर सोशल मीडिया के जरिए एक खास अपील की। उन्होंने बताया कि वह उन तमाम कोरोना संक्रमितों के घर तक खाना पहुंचाएंगे जो इस मुश्किल वक्त में तकलीफ में हैं। यह सुविधा वह दिल्ली में मौजूद तमाम कोविड केयर सेंटर के लिए भी दे रहे हैं। उन्होंने लिखा, हम दिल्ली में मौजूद कोरोना संक्रमित और कोविड केयर सेंटर के लिए फ्री होम डिलिवरी कर रहे हैं। अगर आप कोरोना संक्रमित मरीज हैं और खाने की जरूरत है तो मुझे मैसेज करें।

महामारी के खिलाफ जंग को मिलकर जीता जा सकता है : पांड्या बंधु

वडोदरा। भारतीय क्रिकेट के पांड्या बंधु हार्दिक और क्रुणाल फिर से कोविड-19 महामारी से जूझ रहे लोगों की मदद कर रहे हैं और संबंधित केंद्रों को आक्सीजन कंसंट्रेटर्स भेज रहे है। भारत की तरफ से वनडे और टी-20 खेल चुके बड़े भाई क्रुणाल ने सोमवार को ट्विटर के जरिये यह जानकारी साझा की। क्रुणाल ने तस्वीर के साथ ट्वीट किया, आक्सीजन कंसंट्रेटर्स की नई खेप को हर किसी के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थनाओं के साथ कोविड केंद्रों में भेजा जा रहा है। हार्दिक ने भी सोशल मीडिया पर कहा कि मिलकर इस महामारी के खिलाफ जंग को जीता जा सकता है। इस महीने की शुरूआत मे टीम इंडिया के ऑलराउंडर हार्दिक ने घोषणा की थी कि भाई क्रुणाल सहित उनका पूरा परिवार, देश के कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई में ग्रामीण क्षेत्रों की मदद के लिए 200 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स दान करेगा। हार्दिक ने आइपीएल 2021 में सीएसके के खिलाफ मैच शुरू होने से पहले कहा था, 'कुणाल, मैं और मेरी मां - हमारा पूरा परिवार, हम लोगों की मदद करने के तरीके खोज रहे है। हमने भारत के ग्रामीण हिस्सों में 200 ऑक्सीजन सांद्रता दान करने का फैसला किया, जहां मुझे लगता है कि चिकित्सा बुनियादी ढांचे को और अधिक समर्थन की आवश्यकता है। हम सभी समझते है कि यह मुश्किल है। हम अपना आभार और समर्थन दिखाना चाहते हैं और सभी को बताना चाहते हैं कि हम उनके लिए प्रार्थना करते हैं।' कोरोना के बढ़ते मामलों के कारण 4 मई को आइपीएल 2021 को स्थगित कर दिया गया था। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि पिछले 24 घंटों में 4,454 लोगों की मौत हुई। इसके साथ ही भारत मे कोरोना से मौत का आंकड़ा 3 लाख का आंकड़ा पार कर गया।

कोरोना काल में बीसीसीआई 2000 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स करेगा दान

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को बताया कि वह कोरोना महामारी से लड़ने में सहायता करेगी, जिसके तहत बोर्ड 10 लीटर के 2000 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स दान किया जाएगा। देश इस वक्त कोरोना की दूसरी लहर से प्रभावित है जिसके कारण ऑक्सीजन और अन्य मेडिकल उपकरणों की मांग तेज हो गई है। अगले कुछ महीने भारतीय क्रिकेट बोर्ड देश भर में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स बांटेगा जिससे जरूतमंदों को इसे उपलब्ध कराया जा सके। बीसीसीआई के अध्यक्ष सौरभ गांगुली ने कहा, स्बोर्ड इस बारे में अवगत है कि मेडिकल और स्वास्थ्यकर्मी इस महामारी से जंग में कितनी अहम भूमिका निभा रहे हैं। ये लोग सच्चे फ्रंटलाइन वर्कर हैं और लोगों को बचाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। बोर्ड ने हमेशा स्वास्थ्य और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स से लोगों को तुरंत राहत मिलेगी और मरीज को स्वस्थ होने में मदद मिलेगी। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने कहा, इस वायरस के खिलाफ हमें कंधा से कंधा मिलाकर चलना है। बीसीसीआई को पता है कि इस वक्त मेडिकल उपकरणों की कितनी जरूरत है और हम उम्मीद करते हैं इससे देशभर में इसकी मांग पूरी हो सकेगी। हम सबने इस महामारी के कारण काफी कुछ सहा है लेकिन वैक्सीन के होने से कुछ राहत मिली है।

कोरोना से लड़ते भी रहेंगे और काम-धंधा भी करते रहेंगे

मास्क लगाएं, दूरी रखें, वैक्सीन लगवाएँ, मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 11 लाख 28 हजार निर्माण श्रमिकों को 112 करोड़ 81 लाख रूपये की, आपदा सहायता राशि अंतरित की

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आगामी एक जून से प्रदेश में धीरे-धीरे कोरोना कर्फ्यू समाप्त किया जाएगा। ऐसे में आपको पूरी सावधानी रखनी हैं। मास्क लगाना है, एक दूसरे से दूरी रखनी है, कहीं भीड़ नहीं करनी है, बार-बार हाथ धोने हैं। सबको वैक्सीन लगवाना है। इन सब सावधानियों का पालन करते हुए हम कोरोना से लड़ते भी रहेंगे और काम-धंधा भी करते रहेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज मंत्रालय से वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के निर्माण श्रमिकों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इसके पूर्व प्रदेश के 11 लाख 28 हजार निर्माण श्रमिकों के खाते में कोविड-19 सहायता योजना के अंतर्गत 112 करोड़ 81 लाख रूपये की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की। इस अवसर पर श्रम एवं खनिज संसाधन मंत्री श्री ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

पाँच माह का निश्शुल्क राशन–मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि शासन द्वारा सभी गरीबों, जिनमें निर्माण श्रमिक भी शामिल हैं, को पाँच माह का प्रति सदस्य पाँच-पाँच किलो प्रतिमाह निश्शुल्क राशन दिया जा रहा है, जिसमें तीन माह का राशन राज्य सरकार और दो माह का राशन केन्द्र सरकार दे रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह राशन प्रत्येक गरीब को मिल जाए, यह सुनिश्चित करें।

आपका भाई आपके साथ खड़ा है–मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सरकार कोविड उपचार योजना में कोरोना का निश्शुल्क इलाज कर रही है। आयुष्मान कार्डधारी व्यक्ति एवं उसके परिवार को वर्ष में पाँच लाख रूपये तक सम्बद्ध निज़ी अस्पतालों में निश्शुल्क इलाज की सुविधा दी गई है। इसके अलावा सभी शासकीय अस्पतालों एवं अनुबंधित अस्पतालों में भी कोरोना का निश्शुल्क इलाज हो रहा है। प्रदेश में कोरोना से माँ-बाप की मृत्यु पर बच्चों को पाँच हजार रूपये मासिक पेंशन देने की योजना भी चालू की गयी है। सरकार संकट के समय पूरी तरह आपके साथ है। आपका भाई आपके साथ खड़ा है।

गुस्सा तो नहीं हो अपने भाई से–मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से टीकमगढ़ जिले के निर्माण श्रमिक श्री परीक्षित अहिरवार, इंदौर की श्रीमती शशि वर्मा, मंडला की श्रीमती गिरिजा वनवासी, भिंड के श्री प्रसाद राठौर तथा सीहोर की श्रीमती लता मालवीय से बातचीत भी की। उन्होंने पूछा कि कोरोना के दौरान पाबंदियाँ लगाने पर वे अपने भाई से गुस्सा तो नहीं हैं। यदि कोरोना कर्फ्यू नहीं लगाया जाता तो प्रदेश में कोरोना संक्रमण नियंत्रित नहीं होता। यह जरूरी था। अब कोरोना नियंत्रित हो गया है, अत- हम धीरे-धीरे पाबंदियाँ खत्म करेंगे। स्थानीय क्राइसिस मैनेजमेंट समूह निर्णय करेंगे कि क्या खुले और कब-कब खुले। सभी ने कहा कि कोरोना कर्फ्यू तो ज़रूरी था। यह नहीं होता तो कोरोना नहीं जाता।

आप अपनी सुरक्षा स्वयं करें–मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना से आपको अपने गाँव-शहर की खुद सुरक्षा करनी पड़ेगी। सारी सावधानियों का पालन करें। साथ ही वैक्सीन जरूर लगवाएँ। यह कोरोना से बचने का सुरक्षा चक्र है।

आपका संबल- आपकी सरकार योजना से जिले के 35 हजार 778 निर्माण श्रमिक लाभान्वित

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ऑनलाइन डीबीटी के माध्यम से किसानों के खाते में पहुँचाई, 3 करोड़ 57 लाख रूपए से अधिक राशि

ग्वालियर। आपका संबल- आपकी सरकार योजना से ग्वालियर जिले के 35 हजार 778 निर्माण श्रमिक लाभान्वित हुए हैं। मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल में पंजीकृत इन निर्माण श्रमिकों के खातों में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को 3 करोड़ 57 लाख 78 हजार आपदा सहायता राशि पहुँचाई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मंगलवार को भोपाल से वर्चुअली ग्वालियर जिले के निर्माण श्रमिकों सहित प्रदेश के कुल 11 लाख 28 हजार 130 पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के खातों में 112 करोड़ रूपए से अधिक राशि डीबीटी के माध्यम से अंतरित की। असंगठित क्षेत्र के निर्माण श्रमिकों को कोरोना संक्रमण के दौरान आपदा सहायता राशि के रूप में प्रति श्रमिक एक हजार रूपए की राशि प्रदान की जा रही है। यहाँ कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी के सभाकक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। जिसमें ग्वालियर जिले के निर्माण श्रमिक भी शामिल हुए और मुख्यमंत्री श्री चौहान का उदबोधन सुना। इसी तरह जनपद पंचायत एवं नगरीय निकाय स्तर पर भी कोरोना प्रोटोकॉल का ध्यान रखकर हितग्राहियों को कार्यक्रम से जोड़ा गया। जिला मुख्यालय पर आयोजित हुए कार्यक्रम में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री किशोर कान्याल सहित अन्य अधिकारी शामिल हुए। सहायक श्रम आयुक्त ग्वालियर से प्राप्त जानकारी के मुताबिक ग्वालियर जिले के लाभान्वित 35 हजार 778 निर्माण श्रमिकों में 12 हजार 183 श्रमिक ग्रामीण क्षेत्र के हैं।

मुख्यमंत्री कोविड-19 अनुकंपा नियुक्ति योजना को मंत्रि-परिषद का अनुमोदन

एक करोड़ वैक्सीन क्रय करने के लिये उच्च-स्तरीय समिति का गठन

महिलाओं के लिये सुरक्षित पर्यटन स्थल कार्यक्रम की मंजूरी

मुख्यमंत्री श्री चौहान की अध्यक्षता में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रि-परिषद की वर्चुअल बैठक हुई। मंत्रि-परिषद की बैठक में कोविड-19 महामारी के दौरान, राज्य शासन के नियोजन में कार्यरत नियमित, स्थाईकर्मी, कार्यभारित एवं आकस्मिकता से वेतन पाने वाले, दैनिक वेतनभोगी, तदर्थ, संविदा, कलेक्टर दर, आऊटसोर्स, मानदेय के रूप में कार्यरत शासकीय सेवक, सेवायुक्त जिनकी शासकीय सेवा में कार्यरत रहने के दौरान मृत्यु हो जाती है, उनके पात्र आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करने के लिये मुख्यमंत्री कोविड-19 अनुकंपा नियुक्ति योजना% लागू करने का निर्णय लिया गया। मंत्रि-परिषद ने 18 से 44 वर्ष आयु वर्ग के व्यक्तियों को कोविड-19 का टीका लगाने के लिय ग्लोबल टेंडर के माध्यम से एक करोड़ वैक्सीन डोज क्रय करने के लिए मध्यप्रदेश हेल्थ कार्पोरेशन को अधिकृत किया। वैक्सीन क्रय की निविदा प्रक्रिया का तकनीकी परीक्षण करने एवं वित्तीय प्रस्ताव स्वीकृत करने के लिए उच्च-स्तरीय समिति के गठन का निर्यण लिया गया। तकनीकी परीक्षण के बाद निविदाकारों के वित्तीय प्रस्तावों का परीक्षण कर वैक्सीन क्रय के लिये दर निर्धारण की कार्यवाही का प्रस्ताव मंत्रि-परिषद के समक्ष स्वीकृति के लिये प्रस्तुत किया जायेगा।

कोरोना महामारी के दौरान जारी निर्देशों/ राशि का अनुमोदन–मंत्रि-परिषद ने कोरोना महामारी से निपटने के लिये तात्कालिक एवं आकस्मिक व्यय जिनका पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता था एवं राज्य के बाहर के प्रवासी श्रमिकों के परिवहन आदि की आवश्यकताओं के लिये जारी निर्देशों/राशि का अनुमोदन दिया। मंत्रि-परिषद ने कोविड-19 महामारी के रोकथाम में अप्रत्याशित व्ययों के लिये, जो एस.डी.आर.एफ. के मापदण्डों में अनुमत्य नहीं थे जैसे मजदूरों की यातायात व्यवस्था के लिए, राहत शिविरों के संचालन के लिये (एस.डी.आर.एफ. में अनुमत्य व्ययों को छोड़कर), 52 जिलों को व्यय अनुमति के लिये जारी निर्देशों का कार्योत्तर अनुमोदन किया।मंत्रि-परिषद ने वर्ष 2020 में लॉकडाउन के दौरान अन्य राज्यों में फँसे श्रमिकों को मध्यप्रदेश में ट्रेनों के माध्यम से लाने के लिये की गई कार्यवाही का कार्योत्तर अनुमोदन दिया। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिये राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान मध्यप्रदेश राज्य के ऐसे मजदूर, जो अन्य राज्यों में फँसे हुए थे, की बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति को ध्यान में रखते हुए उनके बैंक अकाउंट/ ई-वॉलेट के माध्यम से 1000 रूपये हस्तांतरित करने का प्रावधान करते हुए लागू की गई मुख्यमंत्री प्रवासी मजदूर सहायता योजना का मंत्रि-परिषद ने कार्योत्तर अनुमोदन किया। मंत्रि-परिषद ने कोरोना रोकथाम के लिये लॉकडाउन के दौरान प्रशासनिक दायित्वों के निर्वहन के लिये नायब तहसीलदारों को एक अप्रैल से 31 मई 2020 तक दो माह के लिए किराये के वाहन के लिये जारी निर्देशों का कार्योत्तर अनुमोदन दिया। मंत्रि-परिषद ने कोविड-19 के कारण लॉकडाउन के दौरान ड्यूटी करने वाले डॉक्टर्स, पैरामेडिकल स्टाफ, पुलिस अधिकारियों एवं अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों के ठहरने के लिये क्वारंटीन सेंटर के रूप में संचालित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा होटलों का अधिग्रहण के लिये की गई कार्यवाही का अनुमोदन दिया।

महिलाओं के लिये सुरक्षित पर्यटन स्थल कार्यक्रम–मंत्रि-परिषद ने वित्तीय वर्ष 2020-2021 से 2022-2023 की अवधि में महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल कार्यक्रम को संचालन करने की स्वीकृति प्रदान की है। इस कार्यक्रम के संचालन के लिये वर्ष 2020-21 के लिये 10 करोड़ 40 लाख 78 हजार 100 रूपये, वर्ष 2021-22 के लिये 10 करोड़ 5 लाख 51 हजार 360 रूपये तथा वर्ष 2022-23 के लिये 7 करोड़ 52 लाख 37 हजार 246 रूपये कुल 27 करोड़ 98 लाख 66 हजार 706 रूपये की राशि व्यय करने की स्वीकृति भी दी।

विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती–मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग अंतर्गत विभागीय भर्ती नियमों में प्रथम श्रेणी विशेषज्ञों के स्वीकृत पदों पर 100 प्रतिशत पदोन्नति संबंधी प्रावधान में संशोधन करते हुए 25 प्रतिशत पद सीधी भर्ती से एवं शेष 75 प्रतिशत पूर्ववत पदोन्नति से भरे जाने की स्वीकृति प्रदान की।

कोविड गाइडलाइन का पालन करने से ही संक्रमण को रोका जा सकता है

कलेक्टर ने हस्तिनापुर और बेहट का भ्रमण किया, निजी चिकित्सकों, सरपंचों और ग्रामीण क्राइसेस मेनेजमेंट समिति के सदस्यों से की चर्चा

ग्वालियर। कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम के लिये ग्रामीण क्षेत्र में चलाए जा रहे किल कोरोना-3 अभियान की जानकारी लेने कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह मुरार जनपद क्षेत्र के हस्तिनापुर और बेहट पहुँचे। उन्होने बेहट में निजी चिकित्सकों, सरपंचों, विभागीय अधिकारियों और गणमान्य नागरिकों के साथ विस्तार से चर्चा की। उनके साथ एसडीएम श्री एच बी शर्मा, बीएमओ डॉ. नागर भी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने किल कोरोना-3 अभियान के तहत सर्वेक्षण की जानकारी ली और दल को निर्देशित किया है कि वे सर्वेक्षण के दौरान जो लोग भी कोविड के लक्षण के पाए जाते हैं उन्हें तत्काल दवा उपलब्ध कराई जाए। ऐसे लोगों को होम क्वारंटाइन अथवा संस्थागत क्वारंटाइन भी कराया जाए। इसके साथ ही जिन गाँवों में कोविड से संबंधित मरीज मिलते हैं उन गाँवों में बेरीकेटिंग कराकर ग्रामीणों का आना-जाना प्रतिबंधित किया जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने यह भी कहा कि सर्वेक्षण के दौरान लोगों को टीकाकरण की जानकारी भी दी जाए। इसके साथ ही यह भी बताया जाए कि कोविड

संक्रमण की रोकथाम के लिये सबसे प्रभावी उपाय टीकाकरण ही है। शतप्रतिशत लोग टीकाकरण कराएं। इसके लिये ग्रामीणों को प्रोत्साहित भी किया जाए। उन्होंने जिले में 31 मई तक लगाए गए जनता कर्फ्यू का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने निजी चिकित्सकों से भी आग्रह किया कि खाँसी-जुकाम और बुखार के कोई मरीज चिन्हित होते हैं तो उनका कोविड टेस्ट अवश्य कराएं। टेस्ट में पॉजिटिव पाए जाने पर आवश्यक उपचार करने के साथ-साथ उन्हें होम क्वारंटाइन अथवा संस्थागत क्वारंटाइन के लिये भी प्रबंध किए जाएं। कोविड से बचने के लिये शासन द्वारा जारी की गई गाइडलाइन का पालन सभी लोग करें तभी इस संक्रमण से बचा जा सकेगा। उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि ग्रामीण क्षेत्र में गठित की गई क्राइसेस मैनेजमेंट समिति की बैठकें भी नियमित आयोजित की जाएं। बैठकों में मिलने वाले सुझावों को अमल में लाकर संक्रमण को शून्य किया जाए। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने सरपंचों से यह भी अपील की है कि वे अपनी-अपनी ग्राम पंचायत को 31 मई तक कोरोना मुक्त ग्राम पंचायत घोषित कराने के लिये विशेष प्रयास करें। हमारी ग्राम पंचायतें कोरोना मुक्त होंगी तभी हमारा पूरा जिला कोरोना मुक्त हो सकेगा।

कोरोना कर्फ्यू में अनलॉक की प्रक्रिया के लिये नागरिक दे सकते हैं सुझाव

ग्वालियर। कोरोना कर्फ्यू में अनलॉक की प्रक्रिया के लिये नागरिक अपने सुझाव के जरिये दे सकते हैं। कोरोना कर्फ्यू में ढील एवं प्रदेश को अनलॉक करने की दृष्टि से 31 मई तक व्हाट्सअप नम्बर 9098151870 और ई-मेल आई.डी. पर भी सुझाव साझा किये जा सकते हैं। कोरोना कर्फ्यू को चरणबद्ध रूप से समाप्त करने एवं अनलॉक करने के संबंध में इन विषयों पर सुझाव माँगे गये हैं। कोरोना कर्फ्यू में अनलॉक कैसे चरणबद्ध तरीके से किया जाना चाहिये। कोरोना कर्फ्यू में अनलॉक करने की प्रक्रिया अंतर्गत किस तरह की गतिविधियों के संचालन में प्राथमिकता देते हुए छूट दी जानी चाहिये। इसी के साथ अन्य सुझाव आमंत्रित किये गये हैं।

उद्यानिकी विभाग की पर ड्रॉप मोर क्रॉप योजना को तीन साल के लिए आगे बढ़ाने की मंजूरी

ग्वालियर। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह ने ÷पर ड्रॉप मोर क्रॉप÷ (सूक्ष्म सिंचाई पद्धति) को अगले तीन साल के लिए विस्तार दिए जाने पर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति आभार व्यक्त किया है। राज्य मंत्रि परिषद की मंगलवार को हुई बैठक में इस योजना के विस्तार का अनुमोदन किया गया। प्रदेश में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अंतर्गत प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के घटक ÷पर ड्रॉप मोर क्रॉप÷ का संचालन हो रहा है। योजना के तहत तीन वर्षों में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा सूक्ष्म सिंचाई द्वारा उद्यानिकी के अतिरिक्त क्षेत्र विस्तार पर 1026 करोड़ रूपए से अधिक राशि खर्च की जायेगी। यह राशि किसानों को पूर्णत- अनुदान के रूप में मुहैया कराई जायेगी। तीन सालों के भीतर 3 लाख 24 हजार 340 हैक्टेयर सिंचित रकबे का विस्तार होगा।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा है कि प्रदेश में उपलब्ध पानी से सिंचाई क्षेत्र का रकबा एवं उत्पादन बढ़ाने के लिये सरकार द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में ÷पर ड्रॉप मोर क्रॉप÷ योजना को आगे बढ़ाया गया है। इससे न केवल सिंचाई रकबा बढ़ेगा बल्कि फसल उत्पादन में भी बढ़ोत्तरी होगी और खेती लाभ का धंधा बनेगा। साथ ही किसान उद्यानिकी फसलों की ओर आकर्षित होंगे। पर ड्रॉप मोर क्रॉप÷ (माइक्रो इरीगेशन) को निरंतरता मिल जाने से वर्ष 2021 - 22 में सिंचित रकबे में 97 हजार 988 हैक्टेयर बढ़ोत्तरी होगी। इसी तरह वर्ष 2022-23 में एक लाख 7 हजार 787 और वर्ष 2023-24 के दौरान सिंचित रकबे में एक लाख 18 हजार 565 हैक्टेयर की वृद्धि की जायेगी।

अभी तक 3 लाख 2 हजार 641 कोरोना मरीजों तक पहुँची मेडिकल किट

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार होम आइसोलेट कोरोना मरीजों को मेडिकल किटों का वितरण लगातार जारी है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया है कि अभी तक 52 जिलों में 3 लाख 2 हजार 641 मेडिकल किट वितरित की जा चुकी हैं। मंत्री श्री सिंह ने बताया है कि 18 अप्रैल से 24 मई के मध्य नगरीय क्षेत्रों में फ़ीवर क्लीनिक एवं होम डिलीवरी के माध्यम से 3 लाख 2 हजार 641 मेडिकल किट कोविड मरीज़ों को उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने जानकारी दी है कि 18 अप्रैल को 12 हजार 583, 19 अप्रैल को 16 हजार 914, 20 अप्रैल को 11 हजार 465, 21 अप्रैल को 10 हजार 327, 22 अप्रैल को 11 हजार 76, 23 अप्रैल को 11 हजार 17, 24 अप्रैल को 10 हजार 658, 25 अप्रैल को 9 हजार 497, 26 अप्रैल को 9 हजार 360, 27 अप्रैल को 9 हजार 705, 28 अप्रैल को 11 हजार 141, 29 अप्रैल को 9 हजार 347, 30 अप्रैल को 8 हजार 958, एक मई को 10 हजार 253, 2 मई को 9 हजार 112, 3 मई को 8 हजार 439, 4 मई को 9 हजार 301, 5 मई को 8 हजार 455, 6 मई को 8 हजार 866, 7 मई को 7 हजार 983, 8 मई को 7 हजार 746, 9 मई को 7 हजार 450, 10 मई को 7 हजार 248, 11 मई को 7 हजार 387, 12 मई को 7 हजार 931 ,13 मई को 7 हजार 388 ,14 मई को 6 हजार 618, 15 मई को 6 हजार 687 कोविड, 16 मई को 5 हजार 814, 17 मई को 5 हजार 401, 18 मई को 4 हजार 822,19 मई को 4 हजार 830 ,20 मई को 5 हजार 28, 21 मई को 3 हजार 944, 22 मई को 3 हजार 640, 23 मई को 3 हजार 361 और 24 मई को 2 हजार 889 मरीजों को मेडिकल किट वितरित की गई हैं।

वरिष्ठ पत्रकार श्री राजेन्द्र श्रीवास्तव का निधन

ग्वालियर। वरिष्ठ पत्रकार श्री राजेन्द्र श्रीवास्तव बीती रात देवलोक गमन कर गए। उनके निधन की खबर सुनकर पत्रकार जगत एवं समाजसेवियों में शोक की लहर दौड़ गई। उन्होंने बीती रात जेएएच के सुपर स्पेशियलिटी वार्ड में अंतिम सांस ली। पिछले तीन हफ्ते पहले कोरोना से संक्रमित होने के बाद सुपर स्पेशियलिटी वार्ड में उनका इलाज चल रहा था। मध्य प्रदेश शासन के जनसंपर्क विभाग द्वारा अधिमान्य पत्रकार स्व. राजेन्द्र श्रीवास्तव 'नयन' के नाम से ग्वालियर-चंबल संभाग में जाने जाते थे। स्वभावतः मृदुभाषी स्व राजेन्द्र श्रीवास्तव ने अपने 70 वर्ष के जीवनकाल में से लगभग 50 वर्ष पत्रकारिता एवं समाजसेवा को समर्पित किए। शुरुआत में उन्होंने एक साप्ताहिक अखबार का संपादन किया और उसके बाद वे दैनिक देशबंधु से जुड़ गए। लगभग 40 वर्षों तक वे दैनिक देशबंधु के ग्वालियर व्यूरो चीफ रहे। स्व. राजेन्द्र श्रीवास्तव अपने पीछे धर्मपत्नी श्रीमती वीना श्रीवास्तव, तीन पुत्रों और एक पुत्री का भरापूरा परिवार छोड़कर गए हैं। राजेन्द्र श्रीवास्तव के निधन पर ग्वालियर का जनसंपर्क परिवार भी शोकाकुल है। जनसंपर्क परिवार ने उन्हें सादर श्रद्धांजलि अर्पित कर उनकी आत्मा की शांति और शोक संतृप्त परिवार को धैर्य प्रदान करने के लिए ईश्वर से कामना की है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निकट हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478